12129CH02

ऋणपत्रों का निर्गम एवं मोचन

2

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप–

- *ऋणपत्र से आशय तथा ऋणपत्र एवं अंशों के बीच अंतर बता सकेंगे।*
- *विभिन्न प्रकार के ऋणपत्रों का विवेचन कर सकेंगे।*
- *ऋणपत्र के सममूल्य, बट्टा तथा प्रीमियम पर निर्गमन की रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कर सकेंगे।*
- *नकदी के अलावा किसी अन्य प्रतिफल के बदले ऋणपत्रों के निर्गमन की संकल्पना की व्याख्या और लेखांकन कर सकेंगे।*
- *समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र के निर्गम की संकल्पना की व्याख्या और लेखांकन कर सकेंगे।*
- *ऋणपत्र के निर्गम को निर्गम की विभिन्न स्थितियों तथा मोचन की अवधियों के साथ रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित कर सकेंगे।*
- *कंपनी के तुलन-पत्र में ऋणपत्र के निर्गम से संबंधित मद को दर्शा सकेंगे।*
- *ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा/हानि के अपलेखन की विधियों की व्याख्या कर सकेंगे।*
- *ऋणपत्र के मोचन की विधियों की व्याख्या और लेखांकन कर सकेंगे।*
- *निक्षेप निधि की संकल्पना ऋणपत्रों के मोचन में इसके उपयोग की व्याख्या और लेखांकन कर सकेंगे।*

एक कंपनी अपनी पूँजी अंशों के निर्गम द्वारा निर्मित करती है। लेकिन अंश निर्गम द्वारा उगाहे गए फंड कभी-कभी कंपनी की दीर्घकालिक वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होते हैं। इसीलिए अधिकतर कंपनियाँ ऋणपत्रों के माध्यम से दीर्घकालिक फंड का निर्माण करती हैं जो कि या तो निजी व्यवस्था का रास्ता अपनाती हैं या फिर उसे सार्वजनिक रूप से जनता से प्राप्त करती हैं। ऋणपत्रों के माध्यम से उगाहा गया वित्त **दीर्घकालिक ऋण** के नाम से भी जाना जाता है। यह अध्याय ऋणपत्रों के निर्गम एवं मोचन और अन्य संबंधित पहलुओं पर विचारों का विश्लेषण करता है।

उपखंड 1

2.1 ऋणपत्र का आशय

ऋणपत्र– **'**ऋणपत्र**'** (डिबेंचर) शब्द लैटिन भाषा के **'डिबेयर'** शब्द से लिया गया है जिसका तात्पर्य कर्ज़ लेना है। "ऋणपत्र एक लिखित विपत्र है जो कंपनी की सामान्य मोहर के अंतर्गत एक ऋण का अभिज्ञान कराता है।" इसमें एक विशिष्टीकृत अवधि के बाद या एक मध्यावधि पर या कंपनी के एक विकल्प पर परिशोधन और एक स्थिर दर पर ब्याज चुकौती के लिए जोकि सामायन्तः अर्द्धवार्षिक या वार्षिक तिथि पर देय होता है, एक अनुबंध समाहित रहता है।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 2(30) के अनुसार 'ऋणपत्र' (डिबेंचर) के अंतर्गत ऋणपत्र स्टॉक, बाँड (बंध-पत्र) तथा एक कंपनी की अन्य प्रतिभूतियाँ शामिल होती हैं जोकि कंपनी की परिसंपत्तियों पर एक प्रभार संघटित कर सकती हैं अथवा नहीं।

© NCERT not to be republished

बाँड– *बाँड* भी एक **लिखित प्रपत्र** है 'जो ऋण का अभिज्ञान करता है।' परंपरागत रूप मे बाँड केवल सरकार द्वारा निर्गमित किए जाते है। किंतु अब अर्ध-सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा ऋण के, प्रमाण के रूप में जारी किए जाते हैं। **'ऋणपत्र'** और **'बाँड'** अब, शब्दों का प्रयोग अंतर्बदल किया जा रहा है।

2.2 अंश और ऋणपत्र के बीच अंतर

स्वामित्व– एक अंश धारक कंपनी का स्वामी होता है जबकि ऋणपत्र धारक केवल एक ऋणदाता (लेनदार) होता है। अंश स्वामित्व पूँजी का एक अंग है जबकि ऋणपत्र एक कर्ज़ प्राप्त पूँजी का हिस्सा है।

प्रतिफल– अंश पर प्रत्याय को लाभांश के नाम से जाना जाता है जबकि ऋणपत्र पर प्रत्याय को ब्याज के नाम से जानते हैं। अंश पर प्राप्त होने वाले प्रतिफल की दर भिन्न वर्षो में विभिन्नता पूर्ण हो सकती है जोकि कंपनी के लाभ पर निर्भर करती है जबकि ऋणपत्रों पर ब्याज की दर स्थिर होती है। लाभांश का भुगतान लाभ का एक विनियोजन होता है जबकि ब्याज का भुगतान लाभ पर एक प्रभार है और इसे तब भी चुकाया जाना होता है चाहे कंपनी में कोई भी लाभ नहीं हुआ हो।

परिशोधन या चुकौती– सामान्यत: अंश की राशि की वापसी/परिशोधन कंपनी में जीवन भर नहीं होती है जबकि ऋणपत्र का निर्गम एक विशिष्ट अवधि के लिए होता है और ऋणपत्र उस अवधि के बाद शोध्य होते हैं। हालाँकि, वर्ष 1998 में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 77 (अ) व 77 (ब) की उपधारा (2) में किए गए संशोधन में कंपनियों को अपने अंश की पुनर्खरीद की अनुमति दी गई विशेषकर जब अंशों का बाज़ार मूल्य उनके पुस्तक मूल्य से कम हो।

मतदान अधिकार– अंश धारकों को मतदान का अधिकार होता है जबकि ऋणपत्र धारक प्राय: किसी भी तरह के मतदान अधिकार का लाभ नहीं उठा पाते हैं।

सुरक्षा– अंश किसी भी प्रकार से सुरक्षित नहीं होता है जबकि ऋणपत्र प्राय: सुरक्षित होता है और कंपनी की परिसंपत्तियों के ऊपर एक स्थिर या चल प्रभार का वहन करता है।

परिवर्तनीयता– अंश को ऋणपत्र के रूप में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है जबकि ऋणपत्र को अंश में परिवर्तित किया जा सकता है, बशर्ते कि निर्गम के नियम ऐसी व्यवस्था रखते हों और तब ऐसे मामले में इन्हें परिवर्तनीय ऋणपत्र के नाम से जाना जाता है।

2.3 ऋणपत्रों के प्रकार

एक कंपनी विभिन्न प्रकार के ऋणपत्र जारी कर सकती है, जिन्हें निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है–

© NCERT not to be republished

2.3.1 सुरक्षा के दृष्टिकोण से

(क) ***रक्षित ऋणपत्र–*** रक्षित ऋणपत्रों का आशय उन ऋणपत्रों से है "जहाँ भुगतान की अदायगी न कर पाने की स्थिति के उद्देश्य से कंपनी की परिसंपत्तियों पर एक प्रभार स्थापित किया जाता है।" यह प्रभार स्थिर या चल हो सकता है। एक स्थिर प्रभार एक विशिष्ट परिसंपत्ति पर स्थापित किया जाता है जबकि चल प्रभार कंपनी की सामान्य परिसंपत्तियों पर स्थापित किया जाता है। स्थिर प्रभार उन परिसंपत्तियों के प्रति स्थापित किया जाता है जो कि कंपनी के द्वारा प्रचालन के लिए धारित होते है न कि बिक्री के आशय के लिए जबकि चल प्रभारों के अंतर्गत वे सभी परिसंपत्तियाँ शामिल होती हैं जो सुरक्षित लेनदारों हेतु निर्दिष्ट होने से बहिष्कृत हैं।

(ख) ***अरक्षित ऋणपत्र–*** अरक्षित ऋणपत्रों का कंपनी की परिसंपत्तियों पर एक विशिष्ट प्रभार नहीं होता है। हालाँकि, इन ऋणों पर स्वत: ही एक चल प्रभार स्थापित किया जा सकता है। सामान्यत: इस प्रकार के ऋणपत्र जारी नहीं किए जाते हैं।

2.3.2. अवधि के दृष्टिकोण से

(क) **मोचनीय ऋणपत्र–** मोचनीय ऋणपत्र वे होते हैं जो एक विशिष्ट अवधि की समाप्ति पर एकमुश्त राशि के रूप में या कंपनी के जीवन के दौरान किस्तों में देय होते हैं। इन ऋणपत्रों को सममूल्य पर या अधिलाभ राशि पर मोचित किया जा सकता हैं।

(ख) **अमोचनीय ऋणपत्र–** अमोचनीय ऋणपत्रों को 'स्थायी' ऋणपत्र के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि कंपनी इस प्रकार के ऋणपत्रों के निर्गम द्वारा उधार प्राप्त द्रव्य के परिशोधन के लिए भी वचन नहीं देती है। ये ऋणपत्र कंपनी की समाप्ति पर या एक दीर्घकालिक अवधि की समाप्ति पर शोधनीय होते हैं।

2.3.3 परिवर्तनीयता के दृष्टिकोण से

(क) ***परिवर्तनीय ऋणपत्र–*** ये वे ऋणपत्र हैं जो समता अंश में परिवर्तनीय होते हैं या फिर किसी भी अन्य प्रतिभूति में या तो कंपनी के विकल्प पर या ऋणपत्र धारक के विकल्प पर परिवर्तित होते हैं, इन्हें परिवर्तनीय ऋणपत्र कहते हैं। ये ऋणपत्र पूर्णत: परिवर्तनीय हो सकते हैं या आंशिक परिवर्तनीय हो सकते हैं।

(ख) ***अपरिवर्तनीय ऋणपत्र–*** ये वे ऋणपत्र हैं जिन्हें अंश में परिवर्तित नहीं किया जा सकता या किसी अन्य प्रतिभूति में नहीं बदला जा सकते हैं। इन्हें अपरिवर्तनीय ऋणपत्र कहते हैं। कंपनियों द्वारा निर्गमित किए जाने वाले अधिकतर ऋणपत्र इसी श्रेणी में आते हैं।

© NCERT not to be republished

2.3.4 कूपन दर के दृष्टिकोण से

(क) ***विशिष्ट कूपन दर ऋणपत्र***– ये ऋणपत्र विशिष्ट ब्याज दर पर जारी किए जाते हैं जिसे 'कूपन दर' कहा जाता है। ये विशिष्ट दरें या तो स्थिर हो सकती हैं या चल (अस्थिर)। चल ब्याज दरों को प्रायः बैंक की दर के साथ जोड़ा जाता है।

(ख) ***शून्य कूपन दर ऋणपत्र***– ये ऋणपत्र ब्याज की कोई विशिष्ट दर वहन नहीं करते हैं। निवेशकों की क्षतिपूर्ति करने की दृष्टि से इस प्रकार के ऋणपत्र पर्याप्त बट्टे (छूट) के साथ जारी किए जाते हैं और सांकेतिक मूल्य तथा निर्गम मूल्य के बीच अंतर को ब्याज की राशि के रूप में निरूपित किया जाता है जो ऋणपत्र की कालावधि से संबंधित होती है।

2.3.5 पंजीकरण के दृष्टिकोण से

(क) ***पंजीकृत ऋणपत्र***– पंजीकृत ऋणपत्र वे ऋणपत्र हैं जिन्हें कंपनी द्वारा रखे गए एक रजिस्टर में नाम, पता तथा ऋणपत्र धारकता की विशिष्टताओं के सभी विवरणों सहित प्रविष्ट किया जाता है। ऐसे ऋणपत्रों का हस्तांतरण केवल एक नियमित हस्तांतरण विलेख के कार्यान्वयन द्वारा किया जा सकता है।

(ख) ***वाहक ऋणपत्र***– वाहक ऋणपत्र वे ऋणपत्र हैं जो डिलीवरी या सुपुर्दगी के द्वारा हस्तांतरित किए जा सकते हैं और कंपनी ऋणपत्र धारकों का कोई रिकॉर्ड नहीं रखती है। ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान उस व्यक्ति को किया जाता है जो इस प्रकार के ऋणपत्रों में संलग्न ब्याज कूपन को प्रस्तुत करता है।

ऋणपत्रों/बाँड के प्रकार

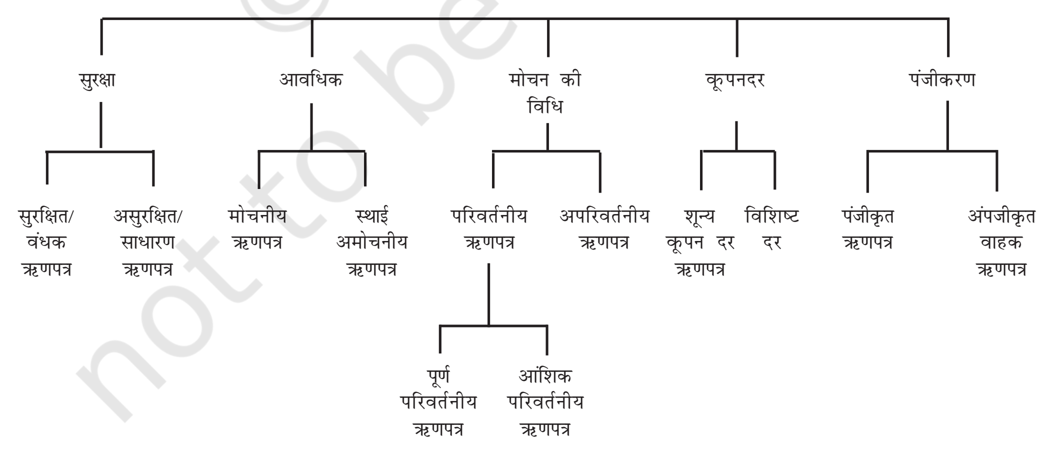

© NCERT not to be republished

2.4 ऋणपत्रों का निर्गम

ऋणपत्रों के निर्गम की प्रक्रिया ठीक वैसी ही होती है जैसी कि अंशों के निर्गम पर होती है। भावी या अभिप्रेरित निवेशक कंपनी द्वारा जारी किए गए विवरण–पत्र के आधार पर ऋणपत्र के लिए आवेदन करता है। इसके लिए कंपनी या तो पूरी राशि को आवेदन पत्र के साथ माँग लेती है या फिर आवेदन पत्र पर किस्तों के रूप में तथा आबंटन के समय तथा विविध माँगों पर राशि ली जाती है। ऋणपत्रों को सममूल्य पर, प्रीमियम के साथ या बट्टे पर जारी किया जाता है। इन्हें रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल या संपार्श्विक प्रतिभूति के लिए भी किया जा सकता है।

2.4.1 रोकड़ के लिए ऋणपत्र का निर्गम

ऋणपत्रों का सममूल्य पर तब निर्गम किया जाता है जब उनका निर्गम मूल्य अंकित मूल्य के बराबर हो। ऐसे निर्गम हेतु रोज़नामचा प्रविष्टि निम्नानुसार अभिलिखित की जाती है।

(क) *यदि पूरी राशि एक किस्त में ली जाती है–*

(i) आवेदन पत्र पर नकद की प्राप्ति पर
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाते से

(ii) आबंटन करने पर
ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाता नाम
ऋणपत्र खाते से

(ख) *यदि ऋणपत्र राशि दो किस्तों में प्राप्त की जाती है–*

(i) आवेदन राशि की प्राप्ति पर
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र आवेदन खाते से

(ii) आवेदन राशि को आबंटन पर समायोजित करने के लिए
ऋणपत्र आवेदन खाता नाम
ऋणपत्र खाते से

(iii) शेष राशि के लिए आबंटन
ऋणपत्र आबंटन खाता नाम
ऋणपत्र खाते से

(iv) आबंटन राशि के प्रप्ति पर
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र आबंटन खाते से

(ग) यदि ऋणपत्र राशि को दो से अधिक किस्तों में प्राप्त किया गया है तो अतिरिक्त प्रविष्टियाँ–

(i) पहले माँग
ऋणपत्र प्रथम माँग पर नाम
ऋणपत्र खाते से

(ii) पहले माँग की प्राप्ति पर
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र प्रथम माँग खाते से

टिप्पणी– ठीक इसी प्रकार की प्रविष्टियाँ द्वितीय या तृतीय माँग पर की जाती हैं। सामान्यत:, पूरी राशि आवेदन के साथ या दो किस्तों में ली जाती है अर्थात् आवेदन पत्र एवं आबंटन पर ली जाती है।

उदाहरण 1

एबीसी लिमिटेड ने प्रति ऋणपत्र 100 रु. के 10,000 ऋणपत्र जारी किए जिसमें आवेदन पर 30 रु. और आबंटन पर शेष राशि देय है। जनता ने 9,000 रु. के ऋणपत्रों के लिए आवेदन किया जो पूर्णत: आबंटित थे और उपयुक्त अपेक्षित राशि प्राप्त की गई। एबीसी लिमिटेड के खातों (पुस्तकों) में रोज़नामचा प्रविष्टियाँ तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

हल–

एबीसी लिमिटेड की पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता नाम 12% ऋणपत्र आवेदन खाते से (9,000 ऋणपत्रों पर ओवदन राशि प्राप्त की गई)		2,70,000	2,70,000
	12% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 12% ऋणपत्र खाते से (आवेदन राशि को ऋणपत्र खाते में हस्तांतरित किया गया)		2,70,000	2,70,000
	12% ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 12% ऋणपत्र खाते से (9,000 आबंटित ऋणपत्रों पर बकाया @ 70 प्रति ऋणपत्र)		6,30,000	6,30,000
	बैंक खाता नाम 12% ऋणपत्र आबंटन खाते से (आबंटन पर प्राप्त की गई राशि)		6,30,000	6,30,000

© NCERT not to be republished

एबीसी लिमिटड का तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि रु.
I. समता एवं देयताएँ		
गैर चालू दायित्व		
दीर्घकालीन ऋण	1	9,00,000
II. परिसंपत्तियाँ		
चालू परिसंपत्तियाँ		
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	2	9,00,000

* केवल संबंधित आंकड़े

खातों की टिप्पणी–

विवरण	राशि रु.
1. दीर्घकालीन ऋण	
9,000, 12% ऋणपत्र रु. 100 प्रत्येक	9,00,000
2. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	
बैंक में रोकड़	9,00,000

2.4.2 बट्टे पर ऋणपत्र का निर्गमन

जब ऋणपत्रों का निर्गमन उसके अंकित मूल्यों पर किया जाता है तब उसे बट्टे पर निर्गम कहते हैं। उदाहरण के लिए यदि 100 रु. प्रति ऋणपत्रों का निर्गमन 95 रु. प्रति ऋणपत्र पर किया जाय तो बकाया 5 रु. बट्टे की राशि कहलाएगी। ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा एक पूँजी हानि है और इसे 'अन्य गैर चालू संपत्तियाँ' शीर्ष के अन्तर्गत उस अवधि दर्शाया जाता है जबतक उसका मूल्य शून्य के बराबर न हो जाए। ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टे की राशि का अपलेखन उसके संपूर्ण जीवन काल में लाभ व हानि विवरण के नाम पक्ष की ओर लिखकर अथवा पर प्रतिभूति आरक्षित खाते के नाम पक्ष में लिखकर, यदि यह खाता तैयार किया गया है।

ऋणपत्र निर्गम पर बट्टे की राशि की राशि को तुलना पत्र तिथि से लेकर 12 माह की अवधि के भीतर अपलिखित किया जा सकता है अथवा 'अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ' के अन्तर्गत प्रचालन चक्र की अवधि के भीतर अपलिखित किया जा सकता है। यदि बट्टे की राशि का अपलेखन तुलना पत्र तिथि के 12 माह के पश्चात् किया जाना है तो इसे 'अन्य गैर चालू सम्पत्तियाँ' शीर्ष के अन्तर्गत दर्शाया जाएगा।

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमित करने के लिए कोई भी प्रतिबंध नहीं लगाता है।

उदाहरण 2

टी वी कंपोनेंटस लिमिटेड ने प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर 10,000, 12% ऋणपत्रों को 5% के बट्टे पर निर्गमित किए जो निम्नवत् देय हैं–

आवेदन पर 40 रु.

आबंटन पर 55 रु.

इसकी रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करें तथा यह मानकर चलें कि इसकी सभी किश्तें यथानुसार प्राप्त हुई हैं। इसके साथ ही तुलन-पत्र का उपयुक्त भाग भी दर्शाएँ।

हल

टीवी कंपोनेंट्स लि. की खाता पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. स.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता	नाम		4,00,000	
	12% ऋणपत्र आवेदन खाते से				4,00,000
	(30% आवेदन राशि प्रति ऋणपत्र से प्राप्त)				
	12% ऋणपत्र आवेदन खाता	नाम		4,00,000	
	12% ऋणपत्र खाते से				4,00,000
	(आवेदन राशि से ऋणपत्र खाते में हस्तांतरण)				
	12% ऋणपत्र आबंटन खाता	नाम		5,50,000	
	ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाता	नाम		50,000	
	12% ऋणपत्र (ऋणपत्र) खाते से				6,00,000
	(ऋणपत्र पर बकाया आबंटन राशि)				
	बैंक खाता	नाम		5,50,000	
	12% ऋणपत्र आबंटन खाते				5,50,000
	(ऋणपत्र पर आबंटन राशि की प्राप्ति)				

टीवी कंपोनेंट्स लि. का तुलन-पत्र*

विवरण	*नोट संख्या*	*राशि रु.*
I. समता एवं देयताएँ		
गैर चालू दायित्व		
दीर्घकालीन ऋण	1	**10,00,000**
II. परिसंपत्तियाँ		
1. गैर चालू परिसंपत्तियाँ		
(क) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	2	45,000
2. चालू परिसंपत्तियाँ		
(क) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	3	9,50,000
(ख) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	4	5,000
		10,00,000

*केवल संबंधित आँकड़े

© NCERT not to be republished

खातों की टिप्पणी–

विवरण	राशि रु.
1. दीर्घकालीन ऋण 10,000, 12% रक्षित ऋणपत्र रु. 100 प्रत्येक	**10,00,000**
2. अन्य गैर चालू परिसपत्तियाँ ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा	**45,000**
3. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक बैंक में रोकड़	**9,50,000**
4. अन्य चालू परिसपत्तियाँ ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा (तुलन-पत्र तिथि या परिचालन चक्र के 12 माह के दौरान घटाया जाएगा)	**5,000**

टिप्पणी–

1. यह माना गया कि ऋणपत्र 10 वर्षो के बाद मोचनीय है।

* केवल संबधित आंकड़े

2.4.3 प्रीमियम पर निर्गमित ऋणपत्र

प्रीमियम पर निर्गमित ऋणपत्र उसे कहा जाता है जब इसका मूल्य साधारण मूल्य से अधिक प्रभारित होता है। उदाहरण के लिए 100 रु. के ऋणपत्र निर्गम पर 110 रु. माँगे जाएँ (यहाँ पर 10 रु. प्रीमियम है)। प्रीमियम की राशि के लिए खाते से प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते में जमा किया जाता है और तुलन-पत्र के समता एवं देयताओं के पक्ष में निधि एवं अधिशेष के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

उदाहरण 3

एक्स वाई ज़ेड इंडस्ट्रीज़ लि. ने प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर 2,000, 10% ऋणपत्रों को 10 रु. प्रीमियम पर निर्गमित किया जो निम्नानुसार देय हैं

आवेदन पर	50 रु.
आबंटन पर	60 रु.

सभी ऋणपत्र पूर्णतः अभिदत्त हुए और संपूर्ण राशि यथोचित प्राप्त हुई। कंपनी की खाता पुस्तकों में रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें साथ ही तुलन-पत्र भी तैयार करें।

© NCERT not to be republished

हल

एक्स वाई ज़ेड इंडस्ट्रीज़ लि. की खाता पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	विवरण		ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	बैंक खाता	नाम		1,00,000	
	10% ऋणपत्र आवेदन खाते से				
	(10% ऋणपत्र 50 रु. प्रति ऋणपत्र पर प्राप्त आवेदन राशि से)				1,00,000
	10% ऋणपत्र आवेदन खाता	नाम		1,00,000	
	10% ऋणपत्र खाते से				1,00,000
	(ऋणपत्रों पर आवेदन राशि का हस्तांतरण)				
	10% ऋणपत्र आबंटन खाता	नाम		1,20,000	
	10% ऋणपत्र खाते से				1,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से				20,000
	(प्रीमियम सहित ऋणपत्र पर बकाया आबंटन राशि)				
	बैंक खाता	नाम		1,20,000	
	10% ऋणपत्र आबंटन खाते से				1,20,000
	(आबंटन राशि प्राप्त)				

एक्स वाई ज़ेड इंडस्ट्रीज़ लि. का तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि रु.
I. समता एवं देयताएँ		
1. अंशधारक निधि		
आरक्षित एवं अधिशेष	1	20,000
2. गैर चालू दायित्व		
दीर्घकालीन ऋण	2	2,00,000
		2,20,000
II. परिसंपत्तियाँ		
चालू परिसंपत्तियाँ		
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		**2,20,000**

© NCERT not to be republished

खातों की टिप्पणी–

विवरण	*राशि* रु.
1. आरक्षित एवं अधिशेष	
प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित	**20,000**
2. दीर्घकालीन ऋण	
2,000, 10% ऋणपत्रों रु. 100 प्रत्येक	**2,00,000**
3. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	
बैंक में रोकड़	**2,20,000**

उदाहरण 4

ए. लिमिटेड ने प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर 5,000, 10% ऋणपत्र 10 रु. के प्रति ऋणपत्र प्रीमियम पर निर्गमित किए, जो निम्नानुसार देय हैं।

आवेदन पत्र	25 रु.
आबंटन पत्र	45 रु. (प्रीमियम सहित)
प्रथम एवं अंतिम माँग पर	40 रु.

सभी ऋणपत्र पूर्णत: अभिदत्त हुए और समस्त राशि यथानुसार प्राप्त हुई। कंपनी की खाता पुस्तकों में सभी आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें। यह भी दिखाएँ कि तुलन-पत्र में राशि कैसे दर्शाएँगे।

हल

ए लिमिटेड की पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता नाम		1,25,000	
	10% ऋणपत्र आवेदन खाते से			
	(10% ऋणपत्रों पर आवेदन राशि प्राप्त हुई)			1,25,000
	10% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम		1,25,000	
	10% ऋणपत्र खाते से			1,25,000
	(आवेदन पर आवेदन राशि का हस्तांतरण)			
	10% ऋणपत्र का आबंटन खाता नाम		2,25,000	
	10% ऋणपत्र खाते से			1,75,000
	प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से			50,000
	(ऋणपत्रों पर बकाया आबंटन राशि, प्रीमियम सहित)			

© NCERT not to be republished

	बैंक खाता ... नाम 10% ऋणपत्र आबंटन खाते से (आबंटन राशि प्राप्त)		2,25,000	2,25,000
	10% ऋणपत्र प्रथम एवं अंतिम माँग खाता ... नाम 10% ऋणपत्र खाते से (ऋणपत्रों पर बकाया प्रथम व अंतिम माँग राशि)		2,00,000	2,00,000
	बैंक खाता ... नाम 10% ऋणपत्र प्रथम एवं अंतिम माँग खाते से (प्रथम व अंतिम माँग राशि प्राप्त)		2,00,000	2,00,000

ए लिमिटेड का तुलन-पत्र

विवरण	*नोट संख्या*	*राशि रु.*
I. समता एवं देयताएँ		
1. अंश धारक निधि		
(क) आरक्षित एवं अधिशेष	1	50,000
2. गैर-चालू दायित्व		
(क) दीर्घकालीन ऋण	2	5,00,000
योग		**5,50,000**
II. परिसंपत्तियाँ		
1. चालू परिसंपत्तियाँ		
(क) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		**5,50,000**

खातों की टिप्पणी–

विवरण	*राशि रु.*
1. आरक्षित एवं अधिशेष प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित	**50,000**
2. दीर्घकालीन ऋण 5,000, 10% ऋणपत्र रु. 100 प्रत्येक	**5,00,000**

2.5 अधि-अभिदान

जब जनता को प्रस्तावित किए गए ऋणपत्रों से अधिक (संख्या में ऋणपत्रों) के लिए आवेदन किए जाते हैं तब इस निर्गम को अधि-अभिदान कहते हैं। एक कंपनी हालाँकि उस मात्रा (संख्या) से अधिक ऋणपत्र आबंटित नहीं कर सकती, जिन्हें अभिदान आमंत्रित किया गया है। हालाँकि अधि-अभिदान पर प्राप्त की गई अधिकतम राशि यद्यपि आबंटन में समायोजन के लिए रोकी जा सकती है और संबंधित माँग की जा सकती है। लेकिन आवेदक से प्राप्त की गई वह राशि, जिस पर ऋणपत्र आबंटित नहीं किए गए, उन्हें वापिस की जाएगी।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 5

एक्स लिमिटेड ने 40 रु. आवेदन पर तथा 60 रु. आबंटन पर देय रखते हुए प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर 10,000, 10% ऋणपत्रों को निर्गमित किया। जनता ने 14,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन किए। 9,000 ऋणपत्रों के लिए पूर्ण आवेदन स्वीकृत किए गए। 2,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदनों पर 1,000 ऋणपत्र आबंटित किए गए। शेष आवेदनों को अस्वीकार्य कर दिया गया।

सारी राशि यथानुसार प्राप्त हुई थी। इन लेनदेनों की रोज़नामचा में प्रविष्टियाँ दें।

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता	नाम	5,60,000	
	12% ऋणपत्र आवेदन खाते से			5,60,000
	(14,000 ऋणपत्रों पर प्राप्त आवेदन राशि)			
	12% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम		5,60,000	
	12% ऋणपत्र खाते से			4,00,000
	12% ऋणपत्र आबंटन खाते से			40,000
	बैंक खाते से			1,20,000
	(ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते मे हस्तान्तरण, अतिरिक्त आवेदन राशि को ऋणपत्र आवेदन खाते में जमा एवं अस्वीकृत आवेदनो की राशि की वापसी) राशि का हस्तांतरण)			
	12% ऋणपत्र आबंटन खाता		6,00,000	
	12% ऋणपत्र खाते से			6,00,000
	(10,000 ऋणपत्रों के आबंटन पर बकाया राशि)			
	बैंक खाता नाम		5,60,000	
	ऋणपत्र आबंटन खाते से			5,60,000
	(आबंटन राशि प्राप्त)			

© NCERT not to be republished

2.6 रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफ़ल पर ऋणपत्रों का निर्गमन

कभी–कभी कंपनी विक्रेताओं से परिसंपत्तियाँ खरीदती है और रोकड़ भुगतान करने की अपेक्षा प्रतिफ़ल के लिए ऋणपत्र जारी कर देती है। इस प्रकार के ऋणपत्र निर्गमन को रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफ़ल पर निर्गमित ऋणपत्र कहते हैं। इन मामलों में ऋणपत्र के सममूल्य पर या प्रीमियम राशि पर या बट्टे पर जारी किए जा सकते हैं। इसके बाद ऐसी स्थितियों में डाली गई प्रविष्टियाँ ठीक वैसे ही होती हैं जो कि रोकड़ के अलावा अन्य प्रतिफ़ल हेतु अंशों के लिए की जाती हैं, जो कि निम्नलिखित होती हैं–

1. *परिसंपत्तियों के क्रय पर*

    विविध परिसंपत्तियाँ खाता   नाम

       विक्रेता से

2. *ऋणपत्रों के निर्गमन पर*

    (क) *सममूल्य पर*

    विक्रेता खाता   नाम

       ऋणपत्र खाते से

    (ख) *प्रीमियम पर*

    विक्रेता खाता   नाम

       ऋणपत्र खाते से

       प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से

    (ग) *बट्टे पर*

    विक्रेता खाता   नाम

    बट्टे पर निर्गमित ऋणपत्र खाता   नाम

       ऋणपत्र खाते से

उदाहरण 6

आशीर्वाद कंपनी लिमिटेड ने अन्य कंपनी से 2,00,000 रु. पुस्तक मूल्य की परिसंपत्तियाँ खरीदीं और यह सहमति बनी कि क्रय प्रतिफ़ल का भुगतान, प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर 2,000 10% ऋणपत्रों के निर्गम द्वारा किया जाएगा। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

आशीर्वाद कंपनी लिमिटेड की पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्तियाँ खाता नाम विक्रेता से (विक्रेता से परिसंपत्तियों की खरीद पर)		2,00,000	 2,00,000
	विक्रेता नाम 10% ऋणपत्र खाते से (क्रय प्रतिफ़ल के साथ में विक्रेता को ऋणपत्रों का आबंटन)		2,00,000	 2,00,000

© NCERT not to be republished

उदाहरण 7

राय कंपनी ने एक अन्य कंपनी से 2,20,000 रु. पुस्तक मूल्य की परिसंपत्तियाँ खरीदीं और यह सहमति बनी कि इस क्रय प्रतिफ़ल के, भुगतान के रूप में प्रति ऋणपत्र 100 रु. के 2,000, 10% प्रीमियम के साथ जारी करने के द्वारा होगा।

आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

राय कंपनी लिमिटेड की पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्तियाँ खाता	नाम		2,20,000	
	विक्रेता से				2,20,000
	(विक्रेता से परिसंपत्ति खरीद पर)				
	विक्रेता	नाम		2,20,000	
	10% ऋणपत्र खाते से				2,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से				20,000
	(100 रु. प्रति 2,000 ऋणपत्रों का 10% के प्रीमियम पर क्रय प्रतिफ़ल के रूप में आबंटन)				

उदाहरण 8

नेशनल पैकेजिंग कंपनी ने एक अन्य कंपनी से 1,90,000 रु. की परिसंपत्तियाँ खरीदीं और क्रय प्रतिफ़ल की भुगतान सहमति के हिसाब से 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 2,000, 10% ऋणपत्र 5% बट्टे के हिसाब से जारी किए गए।

आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

नेशनल पैकेजिंग लिमिटेड की पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्ति खाता	नाम		1,90,000	
	विक्रेता से				1,90,000
	(विक्रेताओं से खरीदीं गई परिसंपत्तियाँ)				
	विक्रेता	नाम		1,90,000	
	ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा खाता	नाम		10,000	
	10% ऋणपत्र खाते से				2,00,000
	(100 रु. प्रत्येक ऋणपत्र के हिसाब से 200 ऋणपत्र 5% बट्टे के साथ क्रय प्रतिफ़ल के रूप में आबंटित)				

उदाहरण 9

जी एस राय कंपनी ने 99,000 रु. पुस्तक मूल्य की परिसंपत्तियाँ एक फ़र्म से खरीदीं। यह सहमति बनी कि क्रय प्रतिफ़ल का भुगतान 100 रु. प्रत्येक ऋणपत्र से 10% ऋणपत्रों को निर्गम के द्वारा किया जाएगा।

1. सममूल्य पर
2. 10% के बट्टे पर
3. 10% के प्रीमियम पर

आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

जी एस राय कंपनी लिमिटेड की पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	(i) विविध परिसंपत्तियाँ खाता नाम विक्रेता से (विक्रेता से खरीदीं गईं परिसंपत्तियाँ)		99,000	 99,000
पहले संदर्भ में	(ii) विक्रेता नाम 10% ऋणपत्र खाते से (खरीद प्रतिफ़ल के रूप में विक्रेता को ऋणपत्रों का आबंटन)		99,000	 99,000
दूसरे संदर्भ में	विक्रेता नाम ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से (100 रु. के 10% के ऋणपत्र विक्रेता को 1,100 ऋणपत्र निर्गमित किए गए)		99,000 11,000	 1,10,000
तीसरे संदर्भ में	विक्रेता नाम 10% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से (10% प्रीमियम पर विक्रेता को 100 रु. प्रत्येक के 900 ऋणपत्र जारी किए गए)		99,000	 90,000 9,000

कई बार कुछ कंपनियाँ दूसरी कंपनियों से परिसंपत्तियों को खरीदने के साथ-साथ उनकी देनदारी को भी हाथ में ले लेती हैं। ऐसा प्रायः तब होता है, जब दूसरी कंपनी का पूरा व्यवसाय खरीद लिया जाता है।

ऐसी स्थिति में, खरीद (क्रय) प्रतिफ़ल निवल परिसंपत्तियाँ–देनदारी के मूल्य के समान होती हैं। यदि संपूर्ण प्रतिफल राशि का भुगतान ऋणपत्र निर्गम से किया जाता है तो प्रविष्टि निम्नवत् होगी–

विविध परिसंपत्ति खाता नाम
  विविध दायित्व खाते से
  विक्रेता से
(विक्रेताओं के व्यवसाय की खरीद)

उदाहरण 10

रोमी लिमिटेड ने कपिल इंटरप्राइजेज से 20 लाख रु. की परिसंपत्तियाँ खरीदीं तथा उसकी 2 लाख रु. की लेनदारी भी ग्रहण की। रोमी ने क्रय प्रतिफ़ल के रूप में 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 8% ऋणपत्र जारी किए। रोमी लिमिटेड की खाता पुस्तकों में आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

रोमी लिमिटेड की पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्तियाँ खाता नाम		20,00,000	
	कपिल इंटरप्राइज़ेज से			18,00,000
	विविध लेनदार खाते से			2,00,000
	(व्यवसाय की खरीद)			
	कपिल इंटरप्राइज़ेज़क नाम		18,00,000	
	8% ऋणपत्र खाते से			18,00,000
	(100 रु. प्रति के 18,000, 8% ऋणपत्रों का निर्गमन)			

यदि किसी स्थिति में, संपूर्ण व्यवसाय को अधिग्रहित किया जाता है और यदि निवल परिसंपत्ति खरीद राशि से अधिक राशि के ऋणपत्र जारी किए जाते हैं तो इसके अंतर (आधिक्य) को ख्याति के मूल्य के रूप में निरूपित किया जाएगा और इसके साथ ही इसी राशि को विक्रेता के व्यवसाय खरीद के लिए रोज़नामचा प्रविष्टि में डालते समय नामित किया जाएगा। (उदाहरण 11 देखिए) लेकिन यदि इसका उल्टा होता है अर्थात् जहाँ ऋणपत्र का मूल्य ली गई निवल परिसंपत्ति के मूल्य से कम होता है, वहाँ इस अंतर को पूँजी आरक्षित (संचय) खाते में जमा किया जाएगा। (देखिए उदाहरण 12)

© NCERT not to be republished

उदाहरण 11

ब्लू प्रिंट लिमिटेड ने 1,50,000 रु. मूल्य का भवन तथा 1,40,000 रु. मूल्य की मशीनरी तथा 10,000 रु. मूल्य का फर्नीचर एक्स वाई ज़ेड कंपनी से खरीदा। इसके साथ ही 20,000 रु. की दायित्व को भी ग्रहित किया और इस का क्रय प्रतिफ़ल 3,15,000 रु. तय हुआ। ब्लू प्रिंट लिमिटेड ने कुछ प्रतिफ़ल का भुगतान 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 12% ऋणपत्रों को 5% प्रीमियम के साथ जारी किया। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

ब्लू प्रिंट्स लिमिटेड की खाता पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	भवन खाता	नाम		1,50,000	
	संयंत्र एवं मशीनरी	नाम		1,40,000	
	फ़र्नीचर खाता	नाम		10,000	
	ख्याति खाता[1]	नाम		35,000	
	विविध देनदारियों से				20,000
	एक्स वाई ज़ेड कं. खाते से				3,15,000
	(एक्स वाई ज़ेड की परिसंपत्ति खरीदना एवं दायित्व ग्रहित करना)				
	एक्स वाई ज़ेड कं. खाता	नाम		3,15,000	
	12% ऋणपत्र खाते से				3,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से				15,000
	(5% प्रीमियम पर 3,000 ऋणपत्र जारी)				

सूचना– 1. चूँकि क्रय प्रतिफ़ल अधिकार में ली गई परिसंपत्तियों से अधिक है अतएव दोनों के बीच के अंतर को ख्याति खाते में नाम किया गया है।

2. निर्गमित ऋणपत्रों की संख्या $= \frac{\text{क्रय प्रतिफ़ल}}{\text{एक ऋणपत्र की निर्गम मूल्य}}$

$$= \frac{3,15,000 \text{ रु.}}{105} = 3,000$$

उदाहरण 12

ए लिमिटेड ने बी एंड कंपनी से 3,00,000 रु. की परिसंपत्तियाँ तथा 10,000 रु. के दायित्व अपने अधिकार में इस सहमति पर प्राप्त किए कि क्रय प्रतिफ़ल 2,70,000 रु. का भुगतान 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 15% ऋणपत्रों को 20% प्रीमियम पर निर्गम किया जाएगा। ए लिमिटेड की खाता पुस्तकों हेतु रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दर्शाएँ।

हल

ए लिमिटेड की पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्ति खाता	नाम		3,00,000	
	विविध देनदारी खाता				10,000
	बी एंड कं. से				2,70,000
	पूँजी आरक्षित से				20,000
	(बी एंड कंपनी से परिसंपत्ति व देनदारियों की खरीद)				
	बी एंड कंपनी खाता	नाम		2,70,000	
	15% ऋणपत्र खाते से				2,25,000
	प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से				45,000
	(100 रु. प्रति ऋणपत्र 20% प्रीमियम पर 2,250 ऋणपत्र जारी)				

स्वयं करें

1. अमृत कंपनी लिमिटेड ने अन्य कंपनी से 2,20,000 रु. की परिसंपत्तियाँ खरीदीं और सहमति के अनुसार क्रय प्रतिफ़ल का भुगतान 100 रु. प्रति ऋणपत्र के 10% प्रीमियम पर 2,000, 10% ऋणपत्र निर्गमित किए गए। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करें।
2. एक कंपनी ने 1,90,000 रु. मूल्य की परिसंपत्तियाँ दूसरी कंपनी से खरीदीं गईं और खरीद प्रतिफ़ल के भुगतान हेतु सहमति हुई कि प्रतिशत बट्टे पर 100 रु. प्रत्येक पर 2,000, 10% ऋणपत्र निर्गमन द्वारा किया जाए। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करें।
3. रोज़ बाँड लिमिटेड ने 22,00,000 रु. में एक व्यवसाय खरीदा। खरीद का भुगतान 6% ऋणपत्र द्वारा किया गया। इस उद्देश्य से 20,00,000 रु. के ऋणपत्रों को 10% प्रीमियम पर जारी किया गया। आवश्यक प्रविष्टियाँ करें।
4. निखिल एंड अश्विन लिमिटेड ने अग्रवाल लिमिटेड का व्यवसाय खरीदा, जिसमें 3,00,000 रु. की विविध परिसंपत्तियाँ, विविध लेनदारी 1,00,000 रु. शामिल थे, जो 3,07,200 रु. प्रतिफ़ल पर खरीदीं गईं इसने क्रय प्रतिफ़ल के चुकाने हेतु 4% बट्टे पर 100 रु. प्रति के हिसाब से 14% ऋणपत्र जारी किए। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करें।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 13

सुविधा लिमिटेड ने सप्लायर्स लिमिटेड से 1,98,000 रु. के मूल्य की मशीनरी क्रय की। इसका भुगतान 100 रु. प्रत्येक पर 12% ऋणपत्र जारी करके किया गया।

मशीनरी की खरीद के लिए आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें और यदि–

(1) ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर किया गया है।

(2) ऋणपत्रों का निर्गमन 10% बट्टे पर किया गया है।

(3) ऋणपत्रों का निर्गमन 10% प्रीमियम पर किया गया है।

हल

सुविधा लिमिटेड की पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	विवरण		ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	मशीनरी खाता	नाम		1,98,000	
	सप्लायर्स लिमिटेड खाते से				1,98,000
	(मशीनरी खरीदीं गई)				
केस (i)	जब ऋण सममूल्य पर निर्गमित हों–				
	सप्लायर्स लि. खाता	नाम		1,98,000	
	12% ऋणपत्र खाते से				1,98,000
	(12% ऋणपत्र सप्लायर्स लि. हेतु निर्गमित हुए)				
केस (ii)	जब ऋणपत्रों को 10% बट्टे पर निर्गम किया गया है–				
	सप्लायर्स लि. खाता	नाम		1,98,000	
	ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाता	नाम		22,000	
	12% ऋणपत्र खाते से				2,20,000
	(10% बट्टे पर सप्लायर्स को 12% ऋणपत्र निर्गमित किए गए)				
केस (iii)	जब 10% प्रीमियम पर ऋणपत्रों को निर्गमित किया गया–				
	सप्लायर्स लि. खाता	नाम		1,98,000	
	12% ऋणपत्र खाते से				1,80,000
	प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से				18,000
	(10% प्रीमियम पर सप्लायर्स लिमिटेड को 12% ऋणपत्र निर्गमित किए गए।				

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणी–

(क)

	(रु.)
एक ऋणपत्र का अंकित मूल्य	100
घटाया– 10% बट्टा	(10)
एक ऋणपत्र का मूल्य जिस पर निर्गम हुआ	90

10% बट्टे के मामले में निर्गमित ऋणपत्रों की संख्या $\frac{1,98,000 \text{ रु.}}{90}$ = 2,200 ऋणपत्र

(ख)

	(रु.)
एक ऋणपत्र का अंकित मूल्य	100
जोड़ा– प्रीमियम 10%	10
एक ऋणपत्र का मूल्य जिस पर निर्गम हुआ	110

10% प्रीमियम के मामले में निर्गमित ऋणपत्रों की संख्या $\frac{1,98,000 \text{ रु.}}{110}$ = 1,800 ऋणपत्र

2.7 ऋणपत्रों का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन

जब एक कंपनी बैंक अथवा वित्तीय संस्था से ऋण या अधिविकर्ष प्राप्त करती है तो ऐसी स्थिति में संपार्श्विक प्रतिभूति को प्राथमिक प्रतिभूति की तुलना में सहायक अथवा अतिरिक्त प्रतिभूति के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसके लिए कंपनी अपनी कुछ परिसंपत्तियों को उपयुक्त ऋण प्राप्ति हेतु रक्षित ऋण के रूप में बंधक अथवा गिरवी रख सकती है। किंतु ऋणदाता संस्थाएँ संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में अधिक परिसंपत्तियों के लिए आग्रह कर सकती हैं ताकि ऋण की राशि की पूर्णत: वसूली हो सके यदि प्राथमिक प्रतिभूति के विक्रय से ऋण की राशि का पूर्ण भुगतान संभव नहीं है तो ऐसी स्थिति में कंपनी स्वयं के ऋणपत्रों का निर्गमन पहले से बंधक परिसंपत्तियों सहित ऋणदाता को करती है। ऐसे निर्गमन को संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में **ऋणपत्रों का निर्गमन** कहते हैं।

यदि कंपनी ब्याज सहित ऋण या कर्ज़ को चुका पाने में असफ़ल रहती है तो ऋणदाता प्राथमिक प्रतिभूति को बेचकर ऋण वसूल पाने के लिए स्वतंत्र होता है और यदि प्राथमिक प्रतिभूति की बिक्री पर प्राप्त राशि ऋण राशि को पूरा कर पाने में कम पड़ जाती है तो ऋणदाता को इस बात का अधिकार है कि वह संपार्श्विक प्रतिभूति को भुना सकता है जिसके लिए ऋणपत्रों को मोचन के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है या खुले बाज़ार में बेचा जा सकता है।

संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों को कंपनी के खाता पुस्तकों में दो विधियों से दर्शाया जा सकता है–

© NCERT not to be republished

प्रथम विधि

खाता पुस्तकों में कोई प्रविष्टि नहीं होती चूँकि इस प्रकार के निर्गम से कोई भी दायित्व उत्पन्न नहीं होता है। हालाँकि तुलन-पत्र ऋण के, मद के नीचे इस प्रभाव के साथ एक टिप्पणी संलग्न करते हैं कि एक संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गम द्वारा इसे सुरक्षित किया गया है। उदाहरण के लिए एक्स कंपनी ने एक बैंक से प्राप्त 10,00,000 हेतु 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 10,000, 9% ऋणपत्रों को जारी किया है। इस तथ्य को तुलन-पत्र में निम्नवत प्रदर्शित किया जा सकता है।

एक्स कंपनी का तुलन-पत्र

विवरण	*नोट संख्या*	*राशि रु.*
I. समता एवं देयताएँ		
1. गैर-चालू दायित्व		
(क) दीर्घकालीन ऋण	1	**10,00,000**

खातों की टिप्पणी–

विवरण	*राशि रु.*
1. दीर्घकालीन ऋण	
रक्षित बैंक कर्ज़	
(10,000, 10% ऋणपत्र प्रति रु. 100 का	**10,00,000**
संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप मे निर्गमन)	

द्वितीय विधि

संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन का अभिलेखन निम्न रोज़नामचा प्रविष्टियों के माध्यम से किया जाता है।

रोज़नामचा प्रविष्टियाँ

I. *10,00,000 रु. के बैंक कर्ज़ हेतु संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. प्रति से 10,000, 9% ऋणपत्रों का निर्गम हुआ।*

ऋणपत्र उचंती खाता	*नाम*	*10,00,000*	
9% ऋणपत्र खाते से			*10,00,000*

II. *बैंक ऋण के पूर्ण भुगतान पर 9% ऋणपत्रों का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में रद्दीकरण हेतु ऋणपत्र उचंती खाता ऋणपत्रों की कटौती के रूप में तुलन-पत्र की दीर्घकालीन देयताओं की टिप्पणी में लिखा जाएगा। ऋण के भुगतान पर उपरोक्त प्रविष्टि को विपरीत प्रविष्टि द्वारा निरस्त (रद्द) किया जाता है।*

9% ऋणपत्र खाता	*नाम*	*10,00,000*	
ऋणपत्र उचंती खाते से			*10,00,000*

© NCERT not to be republished

...................को एक्स कंपनी का तुलन-पत्र (सारांश)

विवरण	*नोट संख्या*	*राशि रु.*
I. समता एवं देयताएँ		
1. गैर-चालू दायित्व		
दीर्घकालीन ऋण	1	10,00,000

खातों की टिप्पणी–

विवरण	रु.	*राशि* रु.
1. दीर्घकालीन ऋण		10,00,000
रक्षित बैंक कर्ज़		
(10,000, 9% ऋण		
प्रति 100 रु.	10,00,000	
घटाया– ऋणपत्र उचंती खाता)	10,00,000	—
		10,00,000

उदाहरण 14

एक कंपनी पंजाब नेशनल बैंक से 10,00,000 रु. का ऋण प्राप्त करती है और संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 12,00,000 रु. के 100 रु. प्रति से 10% ऋणपत्रों को जारी करती है। बताएँ कि कंपनी की खाता पुस्तकों में ऋणपत्र का निर्गम व्यवहार किस प्रकार होगा।

हल

प्रथम विधि

तुलन-पत्र (सारांश)

विवरण	*नोट संख्या*	*राशि रु.*
I. समता एवं देयताएँ		
1. गैर-चालू दायित्व		
दीर्घकालीन ऋण	1	10,00,000

खातों की टिप्पणी–

विवरण	*राशि* रु.
1. दीर्घकालीन ऋण रक्षित बैंक कर्ज़ (12,000 10% ऋण प्रति 100 रु. का संपार्शिषक प्रतिभूति के रूप में निगर्मन)	10,00,000

© NCERT not to be republished

द्वितीय विधि

रोज़नामचा प्रविष्टियाँ

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	ऋणपत्र उचंती खाता नाम 10% ऋणपत्र खातों से		12,00,000	12,00,000

तुलन-पत्र (सारांश)

विवरण	*नोट संख्या*	*राशि रु.*
I. समता एवं देयताएँ		
1. गैर-चालू दायित्व		
(क) दीर्घकालीन ऋण	1	10,00,000

खातों की टिप्पणी–

विवरण	रु.	*राशि* रु.
1. दीर्घकालीन ऋण		
पी.एन.बी. से रक्षित ऋण	12,00,000	10,00,000
12,000, 10% 100 रु. प्रति ऋणपत्र		
घटाया– ऋणपत्र उचंती खाता	12,00,000	—
		10,00,000

स्वयं करें

1. रघुबीर लिमिटेड ने 10,00,000 8% ऋणपत्र जारी किए जिन्हें निम्नानुसार निर्गमित किया गया–
   (1) 90% नकद पर विविध अभिकर्ताओं को 5,50,000
   (2) 2,00,000 रु. की मशीनरी के विक्रेता को उनके दावों की पुष्टि पर 2,00,000
   (3) 20,00,000 रु. के बैंक ऋणों हेतु प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में 2,50,000
   जिसपर 22,50,000 मूल्य का व्यवसायिक परिसर रखा गया है।
   प्रथम (1) एवं द्वितीय (2) निर्गम 10 वर्ष की अवधि में सममूल्य पर मोचनीय हैं। आप बताएँ कि कंपनी के तुलन-पत्र को तैयार करते समय ऋणपत्र का निपटान कैसे करेंगे।

© NCERT not to be republished

2. हसन लिमिटेड ने 40,00,000 रु. की प्राथमिक प्रतिभूति के विरुद्ध 30,00,000 ऋण प्राप्त किया और इसके साथ ही एक संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. प्रत्येक से 4,000, 6% ऋणपत्र जारी किए। इसके बाद कंपनी ने एक वर्ष बाद पुन: बैंक से प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में संयंत्र के विरुद्ध 50,00,000 रु. का ऋण प्राप्त किया और संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. प्रत्येक के 6,000, 6% ऋणपत्रों को जमा किया। कंपनी का तुलन-पत्र तैयार करें तथा आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करें।
3. मेघनाथ लिमिटेड ने बैंक से 1,20,000 रु. ऋण के रूप में प्राप्त किए और 2 लाख रु. प्राथमिक प्रतिभूति की सुरक्षा के अतिरिक्त 100 रु. प्रत्येक के 1,400, 8% ऋणपत्रों के संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में जमा किया। दो माह बाद कंपनी ने पुन: 80,000 रु. का ऋण प्राप्त किया और संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. प्रत्येक के 1,000 8% ऋणपत्र जमा किए। रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें तथा कंपनी का ऋणपत्र तैयार करें।

2.8 ऋणपत्रों को निर्गमित करने की शर्तें

जब एक कंपनी ऋणपत्रों का निर्गमन करती है तो इनमें प्राय: वे शर्तें निहित होती हैं, जिन पर परिपवक्ता के समय ऋणपत्र मोचित किए गए। ऋणपत्रों के मोचन से आशय 'ऋणपत्र धारक को ऋणपत्र का परिशोध न करने के द्वारा ऋणपत्र खाते से दायित्व मुक्ति होती है।' ऋणपत्रों को सममूल्य पर या प्रीमियम पर मोचित किया जा सकता है।

निर्गम एवं मोचन के नियम एवं शर्तो को देखते हुए निम्नलिखित 6 परिस्थितियाँ समान्यत: व्यवहार में देखी जाती हैं–

(i) सममूल्य पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय
(ii) बट्‌टे पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय
(iii) प्रीमियम पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय
(iv) सममूल्य पर निर्गम एवं प्रीमियम पर मोचनीय
(v) बट्‌टे पर निर्गम एवं प्रीमियम पर मोचनीय
(vi) प्रीमियम पर निर्गम एवं प्रीमियम पर मोचनीय

उपर्युक्त छह मामलों में ऋणपत्रों के निर्गम के लिए रोज़नामचा प्रविष्टियाँ निम्नवत् की जाएँगी–

1. सममूल्य पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय

(क) बैंक खाता नाम
    ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से
  (आवेदन राशि की प्राप्ति)

(ख) ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम
    ऋणपत्र खाते से
  (ऋणपत्र के आबंटन)

2. बट्‌टे पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय

(क) बैंक खाता नाम
    ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से
  (आवेदन राशि की प्राप्ति)

	(ख) ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम	
	ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा खाता	नाम	
	ऋणपत्र खाते से		
	(बट्टे पर ऋणपत्र का आबंटन)		
3.	प्रीमियम पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय		
	(क) बैंक खाता		
	ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से		
	(आवेदन राशि की प्राप्ति)		
	(ख) ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम	
	ऋणपत्र खाते से		
	प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से		
	(प्रीमियम पर ऋणपत्र का आबंटन)		
4.	सममूल्य पर जारी एवं प्रीमियम पर मोचनीय		
	(क) बैंक खाता	नाम	
	ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से		
	(आवेदन राशि की प्राप्ति)		
	(ख) ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम	
	ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि खाता	नाम	(ऋणपत्रों पर प्रीमियम सहित)
	ऋणपत्र खाते से		(ऋणपत्रों के अंकित मूल्य सहित)
	ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से		(मोचन पर प्रीमियम सहित)
	(ऋणपत्र पर ऋणपत्रों का आबंटन और प्रीमियम पर मोचन)		
5.	बट्टे पर निर्गम और प्रीमियम पर मोचन		
	बैंक खाता	नाम	
	ऋणपत्र आवेदन और आबंटन खाते से		
	(आवेदन राशि प्राप्त)		
	ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम	
	ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता	नाम	(निर्गम पर बट्टे और शोधन पर प्रीमियम)
	ऋणपत्र खाते से		(ऋणपत्र पर अंकित मूल्य सहित)
	ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से (मोचन पर प्रीमियम)		
	(ऋणपत्रों का बट्टे पर आबंटन और प्रीमियम पर मोचन)		
6.	प्रीमियम पर निर्गम तथा प्रीमियम पर मोचन		
	बैंक खाता	नाम	
	ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाते से		
	(आवेदन राशि प्राप्त)		

© NCERT not to be republished

ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता	नाम	
ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता	नाम	(मोचन पर प्रीमियम के साथ)
ऋणपत्र खाते से		साधारण मूल्य के साथ ऋणपत्र
प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से		(प्रीमियम के साथ निर्गम)
ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से		(प्रीमियम के साथ मोचन)

टिप्पणी– (1) जब ऋणपत्रों का प्रीमियम पर मोचन किया जाता है तब निर्गम के समय ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता में राशि को नाम पक्ष करके एक प्रावधान किया जाता है। यहाँ पर ध्यान दिया जा सकता है कि जब ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गम एवं प्रीमियम के साथ मोचित किया जाता है, तब बट्टे की राशि को भी 'ऋणपत्र के निर्गम पर हानि' खाता के नाम पक्ष की ओर लिखा जाता है। यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि जब ऋणपत्रों का निर्गम बट्टे पर किया जाता है तथा सममूल्य पर मोचित किया जाता है तब राशि सामान्यत: 'ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता' के नाम पक्ष की ओर लिखा जाता है।

(2) मोचन पर प्रीमियम कंपनी की भविष्य में देय देनदारी होती है। यह एक प्रावधान है और इसे शीर्षक "गैर-चालू दायित्व" में उप-शीर्षक "दीर्घकालीन ऋण" के अंतर्गत तब तक दर्शाया जाता है जब तक कि ऋणपत्रों को मोचन नहीं हो जाता है।

(3) ऋण के निर्गम पर हानि खाता एक तरह से पूँजी हानि है और इसे लाभ व हानि विवरण में या प्रतिभूति प्रीमियम खाते के खिलाफ़ धीरे-धीरे प्रस्तुत कर देते हैं।

उदाहरण 15

निम्नलिखित के लिए रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दीजिए–

1. 100 रु. प्रत्येक पर 1,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित एवं सममूल्य पर मोचनीय।
2. 100 रु. प्रत्येक पर 1,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र 5% प्रीमियम पर निर्गमित एवं सममूल्य पर मोचनीय।
3. 100 रु. प्रत्येक पर 1,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित एवं सममूल्य पर मोचनीय।
4. 100 रु. प्रत्येक पर 1,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित एवं 5% प्रीमियम पर मोचनीय।
5. 100 रु. प्रत्येक पर 1,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित तथा 5% प्रीमियम पर मोचनीय।
6. 100 रु. प्रत्येक पर 1,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र 5% प्रीमियम पर निर्गमित एवं 5% प्रीमियम पर मोचनीय।

© NCERT not to be republished

हल

रोज़नामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
1	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)		1,00,000	 1,00,000
	ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से (आवेदन राशि ऋणपत्र खाता में हस्तांतरित)		1,00,000	 1,00,000
2	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)		1,05,000	 1,05,000
	ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि को ऋणपत्र एवं प्रतिभूति प्रीमियम खाते में हस्तांतरित किया गया)		1,05,000	 1,00,000 5,000
3	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)		95,000	 95,000
	9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते (ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋणपत्र खाता में हस्तांतरण)		95,000 5,000	 1,00,000
4	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन तथा राशि प्राप्त की)		1,00,000	 1,00,000
	ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तांतरण)		1,00,000 5,000	 1,00,000 5,000

5	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आबंटन राशि प्राप्त की गई)		95,000	 95,000
	ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से (ऋणपत्र आबंटन राशि का ऋणपत्र प्रीमियम पर ऋणपत्र खाते में हस्तांतरण)		95,000 10,000	 1,00,000 5,000
6	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)		1,05,000	 1,05,000
	ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र मोचन पर प्रीमियम खाते से प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तांतरण)		1,05,000 5,000	 1,00,000 5,000 5,000

उदाहरण 16

एक्स लिमिटेड की खाता पुस्तकों में ऋणपत्र के निर्गम से संबंधित रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कीजिए और यह भी दर्शाएँ कि निम्न मामले तुलन-पत्र में किस प्रकार दर्शाए जाएँगे।

(क) 1000 रु. प्रत्येक के120, 8% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित एवं सममूल्य पर मोचनीय।

(ख) 1000 रु. प्रत्येक के 150, 7% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित तथा 10% प्रीमियम पर मोचनीय।

(ग) 1000 रु. प्रत्येक के 80, 9% ऋणपत्र का 5% प्रीमियम पर निर्गमन।

(घ) 100 रु. प्रत्येक के अन्य 400, 8% ऋणपत्र संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 40,000 ऋण पर निर्गमित।

© NCERT not to be republished

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में
रोज़नामचा

तिथि	विवरण		ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	बैंक खाता	नाम		1,14,000	
	ऋणपत्र आवेदन और आबंटन खाते से				1,14,000
	(ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)				
	ऋणपत्र आवेदन एवं आवंटन खाता	नाम		1,14,000	
	ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता			6,000	
	8% ऋणपत्र खाते से				1,20,000
	(ऋणपत्र आवेदन धनराशि ऋणपत्र आवेदन खाते में हस्तांतरित)				

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
..................को तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि रु.
I. समता एवं देयताएँ		
1. गैर-चालू दायित्व		
(क) दीर्घकालीन ऋण	1	1,20,000
		1,20,000
II. परिसंपत्तियाँ		
1. गैर-चालू परिसंपत्तियाँ		
अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	2	4,800
2. चालू परिसंपत्तियाँ		
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	3	1,14,000
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	4	1,200
		1,20,000

खातों की टिप्पणी–

विवरण	*राशि रु.*
1. दीर्घकालीन ऋण 120, 8% ऋणपत्र 1,000 रु. प्रत्येक	**1,20,000**
2. अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा	**48,000**
3. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक बैंक में रोकड़	**1,14,000**
4. अन्य चालू परिसंपत्तियाँ ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा	**1,200**

टिप्पणी– ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टे को 5 वर्षों में घटाया जाएगा ये मानते हुए कि ऋणपत्र पाँच वर्षों के बाद शोधनीय हैं।

(क) **एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में**

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता	नाम		1,42,500	
	ऋणपत्र आवेदन और आबंटन खाते से				1,42,500
	(ऋणपत्र आवेदन धनराशि प्राप्त की गई)				
	ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम		1,42,500	
	ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता	नाम		22,500	
	8% ऋणपत्र खाते से				1,50,00
	ऋणपत्र मोचन पर प्रीमियम खाते से				15,000
	(ऋणपत्र आवेदन धनराशि ऋणपत्र आवेदन खाते में हस्तांतरित)				

(ख) **एक्स लिमिटेड की पुस्तकें**

...........को तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि रु.
I. समता एवं देयताएँ		
1. गैर-चालू दायित्व		
(क) दीर्घकालीन ऋण	1	1,50,000
(ख) अन्य दीर्घकालीन ऋण	2	15,000
		1,65,000

© NCERT not to be republished

II. परिसंपत्तियाँ		
1. गैर-चालू परिसंपत्तियाँ		
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	3	18,000
2. चालू परिसंपत्तियाँ		
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	4	1,42,500
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	5	4,500
		1,65,000

टिप्पणी– ऋणपत्र निर्गम पर बट्टे की राशि को यह मानते हुए 5 वर्षों में अपलिखित किया गया है कि ये ऋणपत्र 5 वर्ष पश्चात् मोचनीय हैं।

खातों की टिप्पणी–

विवरण	*राशि* रु.
1. दीर्घकालीन ऋण 150, 7% ऋणपत्र 1,000 रु. प्रत्येक	**1,50,000**
2. अन्य दीर्घकालीन दायित्व ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम	**15,000**
3. अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा	**18,000**
4. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक बैंक में रोकड़	**1,42,500**
5. अन्य चालू परिसंपत्तियाँ ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा	**4,500**

(ग) **एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में**
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता नाम		84,000	
	ऋणपत्र आवेदन और आबंटन खाते से			84,000
	(ऋणपत्र आवेदन धनराशि प्राप्त की गई)			
	ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम		84,000	
	8% ऋणपत्र खाते से			80,000
	प्रतिभूति आरक्षित खाते से			4,000
	(ऋणपत्र आवेदन धनराशि ऋणपत्र खाते और प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते में हस्तांतरित)			

© NCERT not to be republished

एक्स लि. का तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि रु.
I. समता एवं देयताएँ		
1. अंशधारक निधि		
(क) आरक्षित एवं अधिशेष	1	4,000
2. गैर चालू दायित्व		
(क) दीर्घकालीन ऋण	2	80,000
		84,000
II. परिसंपत्तियाँ		
1. चालू परिसंपत्तियाँ		
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	3	84,000
		84,000

खातों की टिप्पणी–

विवरण	राशि रु.
1. आरक्षित एवं अधिशेष	
प्रतिभूति प्रीमियम संचय	**4,000**
2. दीर्घकालीन ऋण	
80, 9% ऋणपत्र रु. 1,000 प्रत्येक	**80,000**

(घ) **रोज़नामचा**

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	ऋणपत्र उचंती खाता नाम		40,000	
	8% ऋणपत्र खाते से			40,000
	100 रु. प्रत्येक पर 400, 8% ऋणपत्रों का निर्गम 40,000 रु. ऋण के विपरीत संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में)			

एक्स लि. का तुलन-पत्र (सारांश)

विवरण	नोट संख्या	राशि रु.
I. समता एवं देयताएँ		
1. दीर्घकालीन ऋण	1	40,000

खातों की टिप्पणी–

विवरण	*राशि* रु.	*राशि* रु.
1. दीर्घकालीन ऋण		
बैंक कर्ज़		40,000
400, 8% ऋणपत्र 100 रु. प्रत्येक	40,000	
घटाया– ऋणपत्र उचतीं खाता	(40,000)	—
		40,000

स्वयं करें

1. निम्नलिखित स्थितियों के आधार पर **नीना लिमिटेड** ने 100 रु. प्रत्येक से 50,000, 10% ऋण निर्गमित किए–
   - क. ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय।
   - ख. 5% बट्टे पर निर्गमित ऋणपत्र तथा सममूल्य पर मोचनीय।
   - ग. ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गमन तथा सममूल्य पर मोचनीय।
   - घ. ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गमन तथा 10% प्रीमियम पर मोचनीय।
   - च. ऋणपत्रों का 5% बट्टे पर निर्गमन तथा 10% की प्रीमियम पर मोचनीय।
   - छ. 6% प्रीमियम पर ऋणपत्रों का निर्गमन तथा 4% प्रीमियम पर मोचनीय।

   उपर्युक्त प्रकरण के लिए ऋणपत्र के **निर्गमन** व **मोचन** के समय आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।
2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रकरण के लिए आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें–
   - क. 100 रु. प्रत्येक 27,000, 7% ऋणपत्र निर्गमित हुए जो सममूल्य पर मोचनीय हैं।
   - ख. 100 रु. प्रत्येक के 25,000, 7% ऋणपत्र निर्गमित हुए जो 4% प्रीमियम पर मोचनीय हैं।
   - ग. 100 रु. के 20,000, 7% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित हुए और सममूल्य पर मोचनीय हैं।
   - घ. 100 रु. प्रत्येक के 30,000,7% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित हुए तथा 2½μ प्रीमियम पर मोचनीय हैं।
   - च. 100 रु. प्रत्येक के 35,000,7% ऋणपत्र 4% प्रीमियम पर निर्गमित हुए एवं 5% प्रीमियम पर ही मोचनीय है।

2.9 ऋणपत्रों पर ब्याज

जब एक कंपनी ऋणपत्र निर्गमित करती है तो वह एक बाध्यता के अंतर्गत आती है कि आवधिक तौर पर (जैसे अर्द्ध-वार्षिक) स्थिर ब्याज का भुगतान करती रहे, बशर्ते कि ऋणपत्र का शोधन न हो। यह प्रतिशत उस ऋणपत्र के नाम का हिस्सा होते हैं जैसे कि 8% ऋणपत्र, 10% ऋणपत्र आदि और देय ब्याज का परिकलन ऋणपत्र के साधारण मूल्य पर होता है।

ऋणपत्रों में दिए जाने वाला ब्याज कंपनी के लाभ के प्रति प्रभार होता है और उसे निश्चित रूप से चुकाया जाता है फिर चाहे कंपनी को लाभ हुआ है या नहीं। आयकर अधिनियम 1961 के अनुसार "एक कंपनी को निश्चित रूप से ऋणपत्रों पर देय ब्याज से आयकर काटना चाहिए यदि वह निर्धारित सीमा से अधिक बनता है।" इसे स्रोत पर आय की कटौती अर्थात 'टी डी एस' (TDS) कहा जाता है और इसे कर प्राधिकरण के पास जमा कराया जाता है। बेशक ऋणपत्र धारक उस राशि को अपने बकाया करों के विरुद्ध समायोजित कर सकते हैं।

© NCERT not to be republished

2.9.1 लेखांकन व्यवहार

ऋणपत्रों के ब्याज के संबंध में एक कंपनी की खाता पुस्तकों में निम्नवत् रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित की जाती हैं–

1. *जब ब्याज बकाया हो*
   ऋणपत्र ब्याज खाता नाम
   आयकर देय खाते से
   ऋणपत्र धारक खाते से
   (ऋणपत्रों पर बकाया ब्याज एवं स्रोत पर कर की कटौती)
2. *ऋणपत्र धारकों हेतु ब्याज के भुगतान के लिए*
   ऋण पत्र धारक खाता नाम
   बैंक खाते से
   (अंश धारकों को ब्याज भुगतान की राशि)
3. *लाभ एवं हानि में ऋणपत्र ब्याज खाते का हस्तांतरण*
   लाभ एवं हानि विवरण नाम
   ऋणपत्र ब्याज खाते से
   (लाभ व हानि विविरण ऋणपत्र ब्याज का हस्तांतरण)
4. *कर की कटौती और भुगतान पर*
   आयकर देय खाता नाम
   बैंक खाते से
   (ऋणपत्र के ब्याज पर कर का भुगतान)

उदाहरण 17

1 अप्रैल , 2016 को ए लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 2,000, 10% ऋणपत्र 10% बट्टे पर निर्गमित किए जो 10% प्रीमियम पर मोचनीय थे।

ऋणपत्र के निर्गमन तथा 31 मार्च, 2017 की समाप्त अवधि के लिए ऋणपत्र ब्याज से संबंधित रोज़नामचा की प्रविष्टियों को यह मानकर दर्शाएँ कि ब्याज अर्ध-वार्षिक प्रदत्त किया गया, जिसमें आधे का भुगतान 30 सितंबर, 2016 को तथा शेष 31 मार्च, 2017 को किया गया। यहाँ कर की दर 10% थी। ए लिमिटेड अपने लेखांकन वर्ष हेतु कैलेंडर वर्ष का अनुपालन करती है।

© NCERT not to be republished

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
2016 1 अप्रैल	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (2,000, 10% ऋणपत्रों पर आवेदन राशि प्राप्त की गई)		1,80,000	 1,80,000
1 अप्रैल	10% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से (10% बट्टे पर ऋणपत्र का आबंटन तथा 10% के प्रीमियम पर मोचनीय)		1,80,000 40,000	 2,00,000 20,000
30 सितं.	10% ऋणपत्र ब्याज खाता नाम ऋणपत्र धारक खाते से आयकर देय खाते से (6 माह के लिए ब्याज बकाया तथा स्रोत पर आयकर की कटौती)		10,000	 9,000 1,000
30 सितं.	आयकर देय खाता नाम बैंक खाते से (स्रोत पर आयकर का भुगतान)		1,000	 100
2017 30 सितं.	ऋणपत्र अंश धारक खाता नाम बैंक खाते से (ब्याज का भुगतान)		9,000	 9,000
31 मार्च	ऋणपत्र ब्याज खाता नाम ऋणपत्र धारक खाते से आयकर देय खाते से (6 माह का ब्याज बकाया एवं कर स्रोत पर काटा गया)		10,000	 9,000 1,000
31 मार्च	ऋणपत्र धारक खाता नाम बैंक खाते से (ब्याज का भुगतान)		9,000	 9,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च	आयकर देय खाता नाम बैंक खाते से (सरकार के लिए स्रोत पर काटे गए कर का भुगतान)		1,000	1,000
31 मार्च	लाभ व हानि विवरण नाम ऋणपत्र ब्याज खाते से (ऋणपत्र ब्याज लाभ व हानि विवरण में हस्तांतरित)		20,000	20,000

स्वयं करें

1. दिवाकर इंटरप्राइज़ेज़ ने 1 अप्रैल 2016 को 10,00,000, 6% ऋणपत्रों को निर्गमित किया। ब्याज का भुगतान 30 सितंबर 2016 तथा 31 मार्च 2017 को किया गया।
   यह मानकर आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें कि ब्याज राशि पर कर की कटौती (टीडीएस) 10% की दर से की गई।
2. लेज़र इंडिया ने 100 रु. प्रति ऋणपत्र पर 7,00,000, 8% ऋणपत्र निर्गमित किए। इन ऋणपत्रों हेतु ब्याज अर्धवार्षिक 30 सितंबर तथा 31 मार्च को प्रतिवर्ष के हिसाब से दिया। यह मानकर आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें कि ब्याज राशि पर कर की कटौती (टी डी एस) 10% की दर से की गई।

2.10 बट्टे का अपलेखन/ ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि

बटटा/ ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि एक पूँजी हानि अथवा अवास्तविक परिसंपत्ति है, अत: ऋणपत्रों के जीवन काल के दौरान अपलिखित किया जाना अनिवार्य है। बट्टे को राशि ऋणपत्रों के निर्गम पर, हानि को समान्यत: निर्गम वर्ष में अपलिखित नहीं किया जा सकता चूँकि ऋणपत्रों से लाभ की प्राप्ति उनके मोचन तक होती है। अत: बट्टा/हानि, पूँजी हानि मानते हुए, समान्यत: 5 से 7 वर्षों तक फैला दिया जाता है और इसी दौरान तुलन–पत्र के परिसंपत्ति पक्ष की ओर फुटकर खर्च, शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है। यदि पूँजी लाभ नहीं है या पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे बट्टे हानि को प्रति वर्ष आगम लाभों में से निम्न रोज़नामचा प्रविष्टि द्वारा अपलिखित किया जाता है।

अत: लाभ व हानि विवरण नाम
ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा/हानि खाते से
(ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा/हानि)

ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि एवं बट्टे को अपलिखित करने के लिए दो विधियों को प्रयोग में लाया जाता है।

1. ***स्थायी किस्त विधि:*** जब ऋणपत्रों का मोचन एक निश्चित अवधि के अंत में किया जाता है तब बट्टे कुल राशि को स्थिर राशि के आधार पर समान किस्तों पर अपलिखित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि बट्टे की कुल राशि 1,00,000 रु. है और मोचन 2 वर्षों के पश्चात् तय है तो प्रतिवर्ष 10,000 रु. अपलिखित किए जाएंगे।

2. ***अस्थायी किस्त विधि:*** जब ऋणपत्रों का भुगतान वार्षिक आहरण अथवा किस्तों में किया जाता है तो उस स्थिति में बट्टे का अपलेखन प्रत्येक लेखांकन वर्ष के अन्त में बकाया ऋणपत्रों के अनुपात के आधार पर किया जाएगा। इस विधि के अनुसार बट्टे की राशि साल दर साल घटती जाती है। इसलिए इसे परिवर्तनीय किस्त विधि भी कहा जाता है।

उदाहरण के लिए एक कंपनी 5,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र 10% बट्टे पर निर्गमित करती है जिनका मोचन वार्षिक आहरण पर प्रत्येक वर्ष के अन्त में 3,00,000 रु. से किया जाना निश्चित है।

अपलिखित बट्टे की राशि की गणना इस प्रकार होगी।

वर्ष	**वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि**	**दर**
प्रथम वर्ष	15,00,000 रु.	5
द्वितीय वर्ष	12,00,000 रु.	4
तृतीय वर्ष	9,00,000 रु.	3
चतुर्थ वर्ष	6,00,000 रु.	2
पंचम वर्ष	3,00,000 रु.	1

अत: प्रत्येक बट्टे अभिलिखित बट्टा राशि इस प्रकार होगी।

प्रथम वर्ष	1,50,000 रु.	5/15	=	50,000 रु.
द्वितीय वर्ष	1,50,000 रु.	4/15	=	40,000 रु.
तृतीय वर्ष	1,50,000 रु.	3/15	=	30,000 रु.
चतुर्थ वर्ष	1,50,000 रु.	2/15	=	20,000 रु.
पंचम वर्ष	1,50,000 रु.	1/15	=	10,000 रु.

स्वयं करें

1. एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 2,000, 10% ऋणपत्रों को 8% बट्टे पर 1 अप्रैल, 2014 को निर्गमित किए जो सममूल्य पर चार वर्षों में प्रतिवर्ष आहरण के द्वारा मोचनीय थे। आहरण की शुरूआत 31 मार्च 2015 से निम्नानुसार मोचनीय की गई–

   पहला आहरण 10%, दूसरा आहरण 20%, तीसरा आहरण 30% और चौथा आहरण 40% प्रतिवर्ष बट्टे में डाली जाने वाली राशि का यह मानकर परिकलित कीजिए कि एक्स लिमिटेड लेखांकन वर्ष के लिए कैलेंडर वर्ष का पालन करती है।

2. ज़ेड लिमिटेड ने 50 रु. प्रत्येक के 15,00,000, 10% ऋणपत्र निर्गमित किए जिन्हें 10% प्रीमियम के साथ 20 रु. आवेदन पर तथा शेष राशि आबंटन पर भुगतान करनी थी। यह ऋणपत्र 6 वर्ष बाद मोचनीय है। सभी बकाया राशि की माँग की गई और यथावत सभी राशि प्राप्त की गई। आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलेखित करें जबकि प्रीमियम राशि भी सम्मिलित हो

   (i) आवेदन राशि में

   (ii) आबंटन राशि में

© NCERT not to be republished

3. ज़ेड लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 5,000, 10% ऋणपत्रों को 10% बट्टे के साथ 1.1.2014 में निर्गमित किए। ऋणपत्रों को प्रतिवर्ष लॉटरी प्रक्रिया द्वारा मोचित किया जाना था। प्रतिवर्ष, 31.03.2015 के प्रारंभ से 1,000 ऋणपत्र मोचित करने थे। आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें तथा उसमें ऋणपत्रों के ब्याज के भुगतान एवं बट्टे को अपलिखित को भी शामिल करें। ब्याज का भुगतान प्रति वर्ष 30 सितंबर तथा 31 मार्च को करना है। ज़ेड लि. का पुस्तक खाता 31 मार्च को बंद होता है।
4. एम लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 10,000, 8% ऋणपत्रों को 10% प्रीमियम पर 1.1.2016 को निर्गमित किए। इसने 2,50,000 रु. की विविध परिसंपत्तियाँ खरीदीं तथा 60,000 देनदारियों को भी हाथ में लिया तथा इसके लिए विक्रेता ने के 8% ऋणपत्रों को 5% बट्टे पर निर्गमित किया। इसी तिथि पर बैंक से 1,00,000 रु का ऋण लिया एवं 8% ऋणपत्र संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में जारी किए। एम लिमिटेड की खाता पुस्तकों हेतु रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें तथा 31.03.2017 को तुलन-पत्र तैयार करें तथा ब्याज की उपेक्षा करें।
5. 1.4.2016 को फ़ास्ट कंप्यूटर ने 100 रु. प्रत्येक के 20,00,000, 6% ऋणपत्रों को 4% बट्टे के साथ जारी किया जो तीन वर्ष बाद 5% प्रीमियम पर मोचनीय हैं। राशि का भुगतान निम्नवत् देय है–
   आवेदन पर 50 रु. प्रति ऋणपत्र।
   शेष आबंटन पर देय
   ऋणपत्र निर्गम पर आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलेखित करें।
6. 1.4.2016 को डी लिमिटेड ने 2,00,00 रु. मूल्य की ई लिमिटेड से मशीनरी खरीदीं। उसे 50,000रु. का तत्काल भुगतान किया गया शेष राशि के लिए डी लिमिटेड ने 1,60,000 रु. के 12% ऋणपत्र जारी किए। डी लिमिडेड की खाता पुस्तकों में डालने के लिए लेन देन के बारे में आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलेखित करें।

उदाहरण 18

ए लिमिटेड कंपनी ने 1,00,000 रु. के 9% ऋणपत्रों को 6% के बट्टे पर निर्गमित किया। ये ऋणपत्र 5 वर्षों के विस्तार में वार्षिक किस्तों में, बराबर राशि में मोचित होने हैं। ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे को 5 वर्षों में दर्शाएँ।

हल

ए लिमिटेड की पुस्तकें

ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
पहला वर्ष	ऋणपत्र	6,000	पहला वर्ष	लाभ व हानि विवरण शेष आ/ले	2,000 4,000
		6,000			**6,000**

दूसरा वर्ष	शेष आ/ला	4,000	दूसरा वर्ष	लाभ व हानि विवरण शेष आ/ले	1,600 2,400
		4,000			**4,000**
तीसरा वर्ष	शेष आ/ला	2,400	तीसरा वर्ष	लाभ व हानि विवरण शेष आ/ले	1,200 1,200
		2,400			**2,400**
चौथा वर्ष	शेष आ/ला	1,200	चौथा वर्ष	लाभ व हानि विवरण अंतिम शेष	800 400
		1,200			**1,200**
पाँचवाँ वर्ष	शेष आ/ला	400	पाँचवाँ वर्ष	लाभ व हानि विवरण	400
		400			**400**

कार्यकारी टिप्पणी

ऋणपत्र के निर्गम पर निर्गम पर कुल बट्टा

रु॰1,00,000 × रु॰ $\frac{6}{100}$ = 6,000 रु॰

बट्टे की राशि को बट्टे में डालने का निर्धारण निम्नवत् होता है–

वर्ष	राशि	अनुपात	राशि (रु.)
1	1,00,000	5	$\frac{5}{15}$ × 6,000 = 2,000
2	80,000	4	$\frac{4}{15}$ × 6,000 = 1,600
3	60,000	3	$\frac{3}{15}$ × 6,000 = 1,200
4	40,000	2	$\frac{2}{15}$ × 6,000 = 800
5	20,000	1	$\frac{1}{15}$ × 6,000 = 400
		15	

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिए 1

बताएँ कि निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत

1. ऋणपत्र स्वामित्व पूँजी का एक हिस्सा है।
2. ऋणपत्रों पर दिए जाने वाले ब्याज का भुगतान कंपनी के लाभ से किया जाता है।
3. ऋणपत्रों को अंकित मूल्य के 10% से अधिक बट्टे के साथ निर्गमित नहीं किया जा सकता है।
4. मोचनीय ऋणपत्र वे ऋणपत्र हैं जो कि एक विशिष्ट अवधि की समाप्ति पर देय होते हैं।
5. स्थायी ऋणपत्रों को अमोचनीय ऋणपत्रों के नाम से भी जानते हैं।
6. ऋणपत्रों को अंशों में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।
7. ऋणपत्रों को एक प्रीमियम के साथ निर्गमित नहीं किया जा सकता है।
8. एक संपार्श्विक प्रतिभूति एक सहायक प्रतिभूति होती है।
9. ऋणपत्रों को प्रीमियम पर निर्गमित एवं सममूल्य पर मोचित नहीं कर सकते हैं।
10. ऋणपत्र निर्गम में हानि (खाता) एक आगम हानि है।
11. ऋणपत्र मोचन पर प्रीमियम खाता, तुलन-पत्र में प्रतिभूति प्रीमियम के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

उपखंड II

2.11 ऋणपत्रों का मोचन

ऋणपत्रों का मोचन निर्गम के नियामानुसार ऋणपत्रों के खातें में देनदारियों को समाप्त या मुक्त करने हेतु संकेतित करता है। दूसरे शब्दों में ऋणपत्रों के मोचन का तात्पर्य कंपनी द्वारा ऋणपत्रों की राशि का परिशोधन करता है। यहाँ पर चार विधियाँ हैं जिनसे ऋणपत्रों का मोचन होता है। ये निम्न हैं-

1. एकमुश्त भुगतान
2. किस्तों में भुगतान
3. खुले बाज़ार में क्रय
4. अंशों या नए ऋणपत्रों में परिवर्तन द्वारा

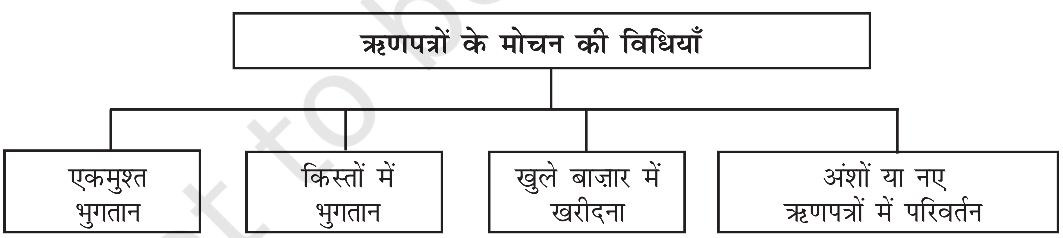

एकमुश्त भुगतान- कंपनी द्वारा निर्गमन की शर्तों के अनुसार परिपक्वतता होने पर ऋणपत्र धारकों को एकमुश्त पूरी राशि का भुगतान करके शोधन (मोचन) करती है।

किस्तों में भुगतान- इस विधि के अंतर्गत ऋणपत्रों का मोचन किस्तों में ऋणपत्र की अवधि तक प्रतिवर्ष के अंत में लिया जाता है। ऋणपत्रों की कुल देनदारी को वर्षों के योग से विभाजित किया जाता है और ऋणों का वास्तविक मोचन इस रूप से जाना जाता है कि ऋणपत्र का बकाया भुगतान अपेक्षित संख्या की किस्तों में किया जा चुका है।

© NCERT not to be republished

खुले बाज़ार में क्रय– जब एक कंपनी अपने ही ऋणपत्रों के शेयर बाज़ार के माध्यम से निरस्त करने के उद्देश्य से खरीदती है तब इस प्रकार की खरीद क्रिया और ऋणपत्र के निरसन के अंतर्गत खुले बाज़ार में खरीद के द्वारा ऋणपत्र का मोचन समाहित होता है।

नए ऋणपत्रों या अंश में परिवर्तन– कंपनी अपने ऋणपत्रों को अंश या नए ऋणपत्रों में परिवर्तित कर मोचित कर सकती है। यदि ऋणपत्र धारक यह पाते हैं कि कंपनी का प्रस्ताव उनके लिए लाभदायक है तो वे ऋणपत्रों को नए ऋणपत्रों या अंशों में परिवर्तित करने का अधिकार व्यवहार में ला सकते हैं। यह नए अंश या ऋणपत्र सममूल्य पर, बट्टे या प्रीमियम पर निर्गमित किए जा सकते हैं। यहाँ पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि ऋणपत्रों की वास्तविक कार्यवाही खातों में ली जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऋणपत्रों द्वारा कितने अंशों को जारी कर परिवर्तित किया जाना है। यदि ऋणपत्रों को मूलत: एक बट्टे में निर्गमित किया गया था तब निर्गम के समय वास्तविक संख्या में वसूल प्राप्त राशि को अंश की वास्तविक संख्या जारी करने के लिए संगठन का आधार बनाया जाता है। यहाँ पर यह ध्यान दिया जा सकता है कि यह निधि केवल परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर लागू होती है। गैर–परिवर्तनीय ऋणपत्रों को भी इस तरह से मोचित किया जा सकता है।

ऋणपत्रों के मोचन के समय धयान देने योग्य घटक इस प्रकार हैं।

1. ऋणपत्र मोचन की समयाविधि: सामान्यत: ऋणपत्रों को मोचन देयतिथि पर ही किया जा सकता है परन्तु एक कंपनी, यदि उसके अर्न्तनियमों में प्रावधान है तो ऋणपत्रों को मोचन परिपक्व तिथि से पहले भी किया जाता है।
2. ऋणपत्र मोचन के स्रोत: ऋणपत्रों को मोचन पूँजी या लाभों में से किया जा सकता है।
   अ. पूँजी में से मोचन: केवल वही कंपनियाँ जिनके लिए ऋणपत्र मोचन आरक्षित (DRR) का निर्माण अनिवार्य नहीं है, पूँजी में से ऋणपत्रों का मोचन कर सकती हैं।
   ब. लाभों में से मोचन: यदि कंपनी केवल लाभों में से ही ऋणपत्रों का मोचन करती है तो उसके लिए ऋणपत्र मोचन आरक्षित (DRR) का निर्माण ऋणपत्रों के अंकित मूल्यों के 100% के बराबर किया जाना अनिवार्य है जो कि केवल उसी राशि से निर्मित किया जा सकता है जो कि अशंधारकों लाभांश के भुगतान के पश्चात् उपलब्ध है।
   स. पूँजी और लाभों से मोचन: यदि एक कंपनी ऋणपत्रों का मोचन आंशिक रूप से पूँजी और लाभ से करना तय करती है तो उसके लिए लाभांश के भुगतान के पश्चात् अधिक्य में से बकाया ऋणपत्रों के अंकित मूल्यों के 100% के बराबर ऋणपत्र मोचन आरक्षित का निर्माण अनिवार्य नहीं है।

2.12 एकमुश्त भुगतान द्वारा मोचन

जब कंपनी पूरी राशि को एकमुश्त प्रदान करती है तो कंपनी की खाता पुस्तकों में निम्न रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित की जाती हैं।

1. ऋणपत्रों का सममूल्य पर मोचन किया जाता है

(क)	ऋणपत्र खाता	नाम
	ऋणपत्र धारक से	
(ख)	ऋणपत्र धारक	नाम
	बैंक खाते से	

2. ऋणपत्रों की प्रीमियम पर मोचित किया जाता है

(क)	ऋणपत्र खाता	नाम
	ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाता	नाम
	ऋणपत्र धारक से	
(ख)	ऋणपत्र धारक	नाम
	बैंक खाते से	

उदाहरण 19

निम्नलिखित प्रत्येक मामले में ऋणपत्र के मोचन के समय पर आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दीजिए–

1. एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 5,000, 9% ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए तथा 5 वर्ष की समाप्ति पर पूँजी से सममूल्य मोचनीय हैं।
2. एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक 1,000, 12% ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए। ये ऋणपत्र 4 वर्ष के अंत में 10% प्रीमियम पर मोचनीय हैं।
3. एक्स लिमिटेड 1,00,000 रु. के अंकित मूल्य के 12% ऋणपत्र 5% प्रीमियम के साथ जारी किए गए जो 4 वर्षों के पश्चात् मोचनीय पर हैं।
4. एक्स लिमिटेड ने 1,00,000 रु. के 12% ऋणपत्रों को 5% बट्टे के साथ निर्गमित किया जो वर्ष के अंत में 5% प्रीमियम पर मोचनीय हैं।

हल

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
1.	9% ऋणपत्र खाता	नाम		5,00,000	
	ऋणपत्र धारक से				5,00,000
	(ऋणपत्र मोचन पर बकाया राशि)				
	ऋणपत्र धारक	नाम		5,00,000	
	बैंक खाते से				5,00,000
	(ऋणपत्र धारकों को किया गया भुगतान)				
2.	12% ऋणपत्र	नाम		1,00,000	
	ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र धारक				1,10,000
	(ऋणपत्र के मोचन पर बकाया राशि)				

© NCERT not to be republished

	ऋणपत्र धारक नाम बैंक खाते से (मोचन पर बकाया राशि)		1,10,000	1,10,000
3.	12% ऋणपत्र खाता नाम ऋणपत्र धारक से (मोचन पर बकाया राशि)		1,00,000	1,00,000
	ऋणपत्र खाता नाम बैंक खाते से (अंश धारक को किया गया भुगतान)		1,00,000	1,00,000
4.	12% ऋणपत्र खाता नाम ऋणपत्रों को मोचन पर प्रीमियम खाता नाम ऋणपत्र धारक खाते से (ऋणपत्र के मोचन पर बकाया राशि)		1,00,000 5,000	1,05,000
	ऋणपत्र धारक नाम बैंक खाते से (ऋणपत्र धारकों को किया गया भुगतान)		1,05,000	1,05,000

कंपनी अधिनियम के प्रावाधानुसार कंपनी को लाभ का एक हिस्सा प्रतिवर्ष अलग रखना अनिवार्य है और इसे ऋणपत्र मोचन निधि में ऋणपत्रों के मोचन हेतु तब तक रखना है जब तक कि ऋण पत्र मोचनीय नहीं होते। इस उद्देश्य के लिए रोज़नामचा प्रविष्टियाँ निम्नानुसार की जाती हैं–

(क) जहाँ पर कंपनियों ने इस अधिनियम के लागू होने के बाद ऋणपत्र निर्गमित किए हैं तो वह इस प्रकार के ऋणपत्रों के मोचन हेतु एक ऋणपत्र मोचन संचय का निर्माण करेगी जिसके लिए पर्याप्त राशि जमा की जाएगी जो लाभ से प्रतिवर्ष तब तक निकाली जाएगी जब तक कि इस प्रकार के ऋणपत्रों का मोचन नहीं हो जाता है।

(ख) ऋणपत्र मोचन निधि के अंतर्गत जमा की गई राशि को कंपनी के ऋणपत्रों के मोचन के अलावा किसी अन्य में उपयोग नहीं किया जाएगा।

ऋणपत्रों के शोधन के उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक कंपनी को कंपनी (अंश पूंजी और ऋणपत्रों) नियम 2014 के नियम 18 (7) के अनुसार ऋणपत्र शोधन प्रावधान का निर्माण निम्नलिखित शर्तों के अनुसार अनिवार्य है।

(अ) ऋणपत्र शोधन प्रावधान का निर्माण कंपनी के लाभ की उस राशि से हो सकता है जो लाभांश योग्य भुगतान हेतु उपलब्ध है।

(ब) कंपनी द्वारा ऋणपत्र शोधन आरक्षित का निर्माण इन शर्तों पर किया जाएगा:

© NCERT not to be republished

1. रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया द्वारा नियमन अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों एवं बैंकिंग कंपनियों द्वारा सार्वजनिक और/अथवा निजी तौर पर ऋणपत्र के आबंटन पर ऋणपत्र शोधन आरक्षित नहीं बनाया जाएगा।
2. रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया से पंजीकृत गैर बैंकिंग वित्तीय कॉरपोरशन और राष्ट्रीय आवासीय बैंक से पंजीकृत आवासीय वित्तीय कंपनियों को सेबी (निर्गम एवं सूचीगत् ऋण प्रातभूति) नियमन, 2008 के अनुसार सार्वजनिक राशि के 25 प्रतिशत पर ऋणपत्र शोधन प्रावधान किया जाएगा। व्यक्तिगत रूप से जारी ऋणपत्रों पर ऋणपत्र शोधन प्रावधान नहीं होगा।
3. विनिर्माण एवं आधारिक संरचना सहित अन्य कंपनियों को भी सेवी (निर्गम एवं सूचीगत् ऋण प्रतिभूति) नियमन, 2008 के अनुसार सार्वजनिक रूप से निर्गमित ऋणपत्रों पर बकाया राशि के 25 प्रतिशत पर ऋणपत्र शोधन आरक्षित होगा।
4. सूचीगत् कंपनियों द्वारा निजी तौर से आरक्षित ऋणपत्रों पर 25 प्रतिशत प्रावधान आवश्यक है। असूचीगत् कंपनियों द्वारा निर्गमित व्यक्तिगत ऋणपत्रों की बकाया राशि पर 25 प्रतिशत का प्रावधान आवश्यक है।

(स) प्रत्येक कंपनी से अपेक्षित है कि प्रत्येक वर्ष के अप्रैल 30 को या पूर्ववत् तिथि पर आगामी वर्ष के मार्च 31 को परिपक्व हो रहे ऋणपत्रों की राशि के 15 प्रतिशत के बराबर भाग को निवेशित कर ऋणपत्र शोधन प्रावधान का निर्माण करें। यह निवेश नीचे दिए गए किसी एक माधयम में किया जा सकता है।

1. किसी अनुसूचित बैंक में प्रभाररहित निवेश अथवा संग्रह।
2. केन्द्रीय सरकार अथवा, राज्य सरकार द्वारा निर्गमित प्रतिभूतियों में निवेश।
3. भारतीय न्यास अधिनियम 1882 के खण्ड 20 के उप-खण्ड (अ) से (द) और (ई. ई) के अंतर्गत अंकित प्रतिभूतियों में निवेश।
4. भारतीय न्यास अधिनियम 1882 के खण्ड (20) के उप-खण्ड (ए.फ) के अंतर्गत अधिसूचित अन्य कंपनियों द्वारा निर्गमित ब्रान्ड में निवेश।
5. उपरोक्त माध्यमों में संग्रहित अथवा निवेशित राशि का उपयोग परिपक्व ऋणपत्रों के शोधन के अतिरिक्त किसी भी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग प्रतिबंधित है।

(द) आंशिक रूप से परिवर्त्तनीय ऋणपत्रों की दशा में ऋणपत्र शोधन प्रावधान का निर्माण ऋणपत्रों के अपरिवर्त्तनीय भाग के लिए ही केवल किया जाएगा।

(ड) ऋणपत्र शोधन प्रावधान के जमा धनराशि का उपयोग ऋणपत्र शोधन के अतिरिक्त किसी अन्य उद्देश्य की पूर्ति हेतु नहीं हो सकता है।

उदाहरण 20

एक्स वाई ज़ेड लि. ने 1 अप्रैल 2013 को 100 रु. प्रत्येक के 200, 15% ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी किए जो लाभ में से 10% प्रीमियम के साथ मोचनीय हैं। ऋणपत्र के निर्गम एवं मोचन के समय की रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें अगर चौथे वर्ष के अंत में एकमुश्त मोचित किया जाता है। निदेशक मंडल ने तय किया कि 31 मार्च 2017 को ऋणपत्र मोचन निधि न्यूनतम राशि हस्तांतरित की जाएगी।

हल

एक्स वाइ ज़ेड की खाता पुस्तकों में
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
2013 01. अप्रै.	बैंक खाता ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन धनराशि की प्राप्ति)	नाम		18,000	 18,000
01. अप्रै.	ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता 15% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र मोचन पर प्रीमियम खाते से (10% बट्टे ऋणपत्रों का निर्गम और प्रीमियम पर मोचन)	नाम नाम		18,000 4,000	 20,000 2,000
2016 31 मार्च	लाभ व हानि विवरण में शेष ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाते से (लाभों को ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाते में हस्तांतरण)	नाम		5,000	 5,000
30 अप्रै.	ऋणपत्र मोचन निवेश खाता बैंक खाते से (आवश्यक धनराशि निवेशित)	नाम नाम		3,000	 3,000
2017 31 मार्च	बैंक खाता ऋणपत्र मोचन निवेश खाता (ऋणपत्र मोचन निवेश का मोचन पर नकदीकरण)	नाम		3,000	 3,000
31 मार्च	15% ऋणपत्र खाता ऋणपत्र मोचन पर प्रीमियम खाता ऋणपत्रधारक खाते से (मोचन पर देय धनराशि)	नाम		20,000 2,000	 22,000
31 मार्च	ऋणपत्रधारक खाता बैंक खाते से (ऋणपत्रधारकों को धनराशि का भूगतान	नाम		22,000	 22,000
31 मार्च	ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाता सामान्य आरक्षित खाते से (ऋणपत्र मोचन के पश्चात् ऋणपत्र मोचन आरक्षित का सामान्य आरक्षित में हस्तांतरण)	नाम		5,000	 5,000

2.12.2 किस्तों में भुगतान द्वारा मोचन

जब निर्गम के नियमानुसार, ऋणपत्रों का किस्तों में मोचन एक विशिष्ट वर्ष से प्रारंभ हो जाता है वास्तविक मोचन वाले ऋणपत्रों का चुनाव प्राय: लाटरी प्रक्रिया द्वारा होता है और यह मोचन या तो लाभ में से किया जाता है या पूँजी में से। इसकी प्रविष्टियाँ निम्नवत् होंगी।

1. *यदि लाभ से मोचित होते हैं-*
   (क) लाभ एवं हानि विवरण नाम
   ऋणपत्र मोचन निधि खाते से
   (ख) ऋणपत्र खाता नाम
   ऋणपत्र धारक से
   (ग) ऋणपत्र धारक नाम
   बैंक खाते से
2. *यदि पूँजी से मोचित होते हैं-*
   (क) ऋणपत्र खाता नाम
   ऋणपत्र धारक खाते से
   (ख) ऋणपत्र धारक खाता नाम
   बैंक खाते से

उदाहरण 21

ए.बी.सी. लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2012 को 5% बट्टे पर 100 रु. प्रत्येक के 3,000, 14% ऋणपत्र जारी किए। इन ऋणपत्रों पर ब्याज प्रत्येक वर्ष का 31 मार्च को देय है। यह ऋणपत्र तीन समान किस्तों में मोचनीय है और जो तीसरे, चौथे तथा पाँचवे वर्ष के अंत में देय हैं। कंपनी की खाता पुस्तकों में 14% ऋणपत्र खाता तैयार करें तथा ऋणपत्र निर्गम का बट्टा खाता तथा ऋणपत्र ब्याज खाता भी तैयार करें।

हल

14% ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2013 31 मार्च	शेष आ/ले		3,00,000	2012 1 अप्रैल	ऋणपत्र आवेदन खाता		2,85,000
				31 दिसं.	ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता		15,000
			3,00,000				**3,00,000**

2014 31 मार्च	शेष आ/ले		3,00,000	2013 1 अप्रैल	शेष आ/ला		3,00,000
			3,00,000				**3,00,000**
2016 31 मार्च	बैंक खाता		1,00,000	2014 1 अप्रैल	शेष आ/ला		3,00,000
31 मार्च	शेष आ/ले		2,00,000				
			3,00,000				**3,00,000**
2016 31 मार्च	बैंक खाता		1,00,000	2015 1 अप्रैल	शेष आ/ला		2,00,000
31 मार्च	शेष आ/ले		1,00,000				
			2,00,000				**2,00,000**
2017 31 मार्च	शेष आ/ले		1,00,000	2016 1 अप्रैल	शेष आ/ला		1,00,000
			1,00,000				**1,00,000**

ऋणपत्र ब्याज खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2013 31 मार्च	बैंक		**42,000**	2013 31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		**42,000**
2014 31 मार्च	बैंक		**42,000**	2014 31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		**42,000**
2014 31 मार्च	बैंक		**42,000**	2015 31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		**42,000**
2016 31 मार्च	बैंक		**28,000**	2016 31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		**28,000**
2017 31 मार्च	बैंक		**14,000**	2017 31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		**14,000**

© NCERT not to be republished

ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2012				2013			
1 अप्रै.	शेष आ/ले		15,000	31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		3,750
				31 मार्च	शेष आ/ले		11,250
			15,000				**15,000**
2013				2014			
1 अप्रै.	शेष आ/ले		11,250	31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		3,750
				31 मार्च	शेष आ/ले		7,500
			11,250				**11,250**
2014				2015			
1 अप्रै.	शेष आ/ले		7,500	31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		3,750
				31 मार्च	शेष आ/ले		3,750
			7,500				**7,500**
2015				2016			
1 अप्रै.	शेष आ/ले		3,750	31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		2,500
				31 मार्च	शेष आ/ले		1,250
			3,750				**3,750**
2016				2017			
1 अप्रै.	शेष आ/ले		1,250	31 मार्च	शेष आ/ले		1,250
			1,250				**1,250**

कार्यकारी टिप्पणी–

1. प्रत्येक वर्ष की शुरुआत में ऋणपत्र बकाया राशि पर 14% ऋणपत्र ब्याज परिकलित किया गया। प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को ऋणपत्रों की बकाया राशि निम्नलिखित है–

	बकाया ऋणपत्र
	रु.
अप्रैल 01, 2012	3,00,000
अप्रैल 01, 2013	3,00,000
अप्रैल 01, 2014	3,00,000
अप्रैल 01, 2015	2,00,000
अप्रैल 01, 2016	1,00,000

© NCERT not to be republished

2. ऋणपत्र निर्गम पर बट्टे को प्रति वर्ष के प्रारंभ में ऋणपत्र बकाया राशि को अनुपातानुसार अपलिखित किया जाएगा।

वर्ष	रु.	राशि रु.
2012	$15{,}000 \times \frac{3}{12}$	3,750
2013	$15{,}000 \times \frac{3}{12}$	3,750
2014	$15{,}000 \times \frac{3}{12}$	3,750
2015	$15{,}000 \times \frac{2}{12}$	2,500
2016	$15{,}000 \times \frac{1}{12}$	1,250

2.13 खुले बाज़ार में क्रय द्वारा मोचन

जब एक कंपनी अपने ही ऋणपत्रों को तत्काल निरस्तीकरण (रद्दीकरण) हेतु खुले बाज़ार में ऋणपत्रों की खरीद करती है, तब ऐसे ऋणपत्रों की खरीद एवं निरसन को खुले बाज़ार में खरीद द्वारा मोचन कहते हैं। ऐसे विकल्प से लाभ यह है कि कंपनी अपनी सुविधानुसार ऋणपत्रों को मोचित कर सकती हैं, जब भी कंपनी के अतिरिक्त उपलब्ध हों। दूसरे कंपनी उन्हें तब खरीद सकती है जब बाज़ार में एक बट्टे के साथ उपलब्ध हों।

जब ऋणपत्रों को खुले बाज़ार से बट्टे में खरीदा एवं रद्द किया जाता है तब रोज़नामचा प्रविष्टियों को निम्नवत् अभिलिखित करते हैं–

1. *तत्काल निरस्तीकरण हेतु स्वयं के ऋणपत्रों की खरीद*
   ऋणपत्र खाता नाम
   बैंक खाते से
   ऋणपत्रों के मोचन पर लाभ खाते से
2. *मोचन पर लाभ का हस्तांतरण*
   ऋणपत्र के मोचन पर लाभ खाता नाम
   पूँजी आरक्षित से

यदि किसी मामले में ऋणपत्र को उस मूल्य पर बाज़ार से खरीदा जाता है जो कि साधारण मूल्य से अधिक हो, तब इस आधिक्य राशि को ऋणपत्रों के मोचन पर घाटा या हानि के नाम से जाना जाएगा। ऐसे मामले में रोज़नामचा प्रविष्टियाँ निम्नवत् होंगी–

1. ऋणपत्र खाता नाम
   ऋणपत्र के मोचन पर हानि खाता नाम
   बैंक खाते से
2. लाभ व हानि खाता नाम
   ऋणपत्र के मोचन पर हानि खाते से

© NCERT not to be republished

उदाहरण 22

एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 20,000 रु. के अंकित मूल्य के ऋणपत्रों को खुले बाज़ार से निरसन के लिए 92 रु. पर खरीदा। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	विवरण		ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	ऋणपत्र खाता	नाम		20,000	
	बैंक खाते से				18,400
	ऋणपत्र मोचन पर लाभ खाते से				1,600
	(बाज़ार से अपना ही ऋणपत्र 92 रु. में खरीदा गया)				
	ऋणपत्र के मोचन पर लाभ खाता	नाम		1,600	
	पूँजी आरक्षित से				1,600
	(ऋणपत्र के निरसन के लाभ को पूँजी निधि में हस्तांतरण)				

वैकल्पिक रूप से नीचे दी गई दोनों रोज़नामचा प्रविष्टियाँ भी हो सकती हैं

तिथि	विवरण		ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	स्वंय के ऋणपत्र खाता	नाम		18,000	
	बैंक खाते से				18,000
	(92 रु. प्रत्येक ऋणपत्र की दर से 20,000 रु. की राशि के स्वंय के ऋणपत्रों का क्रय)				
	ऋणपत्र खाता	नाम		20,000	
	स्वंय के ऋणपत्र खाते से				18,000
	ऋणपत्र मोचन पर लाभ खाते से				2,000
	(क्रय किये गए स्वंय के ऋणपत्रों का रद्दीकरण)				

उदाहरण 23

एक्स लिमिटेड ने निर्णय लिया कि वह 250, 12% ऋणपत्र (प्रति मूल्य 100 रु.) का मोचन करेगी जिनका कुल मूल्य 25,000 रु. है। इस उद्देश्य हेतु कंपनी ने स्वयं के 20,000 रु. मूल्य के ऋणपत्रों का क्रय 98.50 प्रति ऋणपत्र पर किया जिस पर 100 रु. का खर्च आया। शेष राशि, जो कि 5,000 रु. है, के ऋणपत्रों को लॉटरी द्वारा निकाल कर मोचित किया गया। रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में
रोज़नामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	लाभ व हानि विवरण में शेष नाम ऋणपत्र माचन आरक्षित खाते से (लाभों का ऋणपत्र आरक्षित खाते में हस्तांतरण)		6,250	 6,250
	ऋणपत्र मोचन निवेश खाता नाम बैंक खाते से (आवश्यक धनराशि ऋणपत्र मोचन निवेश में हस्तांतरण)		3,750	 3,750
	बैंक खाता नाम ऋणपत्र मोचन निवेश खाता से (ऋणपत्र मोचन के समय ऋणपत्र मोचन निवेश का नकदीकरण)		3,750	 3,750
	12% ऋणपत्र खाता नाम बैंक खाते से ऋणपत्र मोचन पर लाभ खाते से (100 रु. व्यय सहित 200 ऋणपत्रों का 98.50 रु. प्रति ऋणपत्र का क्रय)		20,000	 19,800 200
	ऋणपत्र मोचन पर लाभ खाता नाम पूँजी आरक्षित से (मोचन पर लाभ का पूँजी आरक्षित में हस्तांतरण)		200	 200
	12% ऋणपत्र खाता नाम बैंक खाते से (50% ऋणपत्रों का मोचन)		5,000	 5,000
	ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाता नाम सामान्य आरक्षित से (ऋणपत्र मोचन के पश्चात् ऋणपत्र मोचन आरक्षित का शेष सामान्य आरक्षित में हस्तांतरित)		6,250	 6,250

उदाहरण 24

1 अप्रैल 2013 को, कंपनी ने 1,000 रु. प्रत्येक को 960 रु. प्रत्येक ऋणपत्र की दर से 1,000, 6% ऋणपत्र निर्गमित किए। निर्गमन के नियमानुसार मार्च 31, 2015 के अंत में हर वर्ष 200 ऋणपत्रों के मोचन की सुविधा या तो खरीद के द्वारा अथवा सममूल्य पर लॉटरी द्वारा मोचन करने का प्रावधान है। ऋणपत्र बट्टे खाते को 10,000 रुपयों को मार्च 31, 2014 और 2015 में अपलिखित किया गया। 31.03.2015 को कंपनी ने ऋणपत्र रद्द करने के लिए 950 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से 80,000 रु. अंकित मूल्य के तथा 900 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से 1,20,000 अंकित मूल्य के ऋणपत्र खरीदे।

उपर्युक्त लेनदेन की रोज़नामचा प्रविष्टियाँ तैयार करें तथा मोचन से हुए लाभ के रद्दीकरण को दर्शाएँ।

हल

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
2013 1 अप्रैल	बैंक खाता	नाम		9,60,000	
	6% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से				9,60,000
	(ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)				
1 अप्रैल	6% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम		9,60,000	
	ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाता	नाम		40,000	
	6% ऋणपत्र खाते से				10,00,000
	(ऋणपत्र आवेदन धनराशि ऋणपत्र खाते में हस्तांतरित)				
2014 31 मार्च	लाभ एवं हानि विवरण	नाम		10,000	
	ऋणपत्र पर निर्गमन पर बट्टा खाते से				10,000
	(ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टे की राशि अपलेखन)				
31 मार्च	लाभ एवं हानि विवरण में शेष	नाम		2,00,000	
	ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाते से				2,00,000
	(लाभों का ऋणपत्र आरक्षित में हस्तांतरण)				
30 अप्रैल	ऋणपत्र मोचन खाता	नाम		30,000	
	बैंक खाते से				30,000
	(आवश्यक राशि का ऋणपत्र मोचन निवेश में हस्तांतरण)				
2015 31 मार्च	बैंक खाता	नाम		30,000	
	ऋणपत्र मोचन निवेश खाते से				30,000
	(ऋणपत्र मोचन के समय ऋणपत्र मोचन निवेश का नकदीकरण)				
31 मार्च	6% ऋणपत्र खाता	नाम		80,000	
	बैंक खाते से				76,000
	ऋणपत्र मोचन लाभ खाते से				4,000
	(80% ऋणपत्रों का मोचन 950 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से क्रय करके किया गया)				
31 मार्च	6% ऋणपत्र खाता	नाम		1,20,000	
	बैंक खाते से				1,08,000
	ऋणपत्र मोचन पर लाभ खाते से				12,000
	(खुले बाज़ार में 900 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से क्रय करके 80 ऋणपत्रों का मोचन किया गया)				

31 मार्च	ऋणपत्र मोचन पर लाभ खाता नाम पूँजी आरक्षित से (ऋणपत्रों के रद्दीकरण पर लाभ का पूँजी आरक्षित में हस्तांतरण)		16,000	 16,000
31 मार्च	लाभ एवं हानि विवरण नाम ऋणपत्रों निर्गमन पर बट्टा खाते से (ऋणपत्रों पर बट्टे का अपलेखन)		10,000	 10,000
31 मार्च	ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाता नाम ऋणपत्रों निर्गमन पर बट्टा खाते से (ऋणपत्र मोचन आरक्षित को सामान्य आरक्षित में हस्तांतरित)		50,000	 50,000

2.14 परिवर्तन द्वारा मोचन

जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि ऋणपत्रों को ऋणपत्र मोचन इन्हें अंश या नए ऋणपत्र में परिवर्तन द्वारा भी किया जा सकता है। यदि ऋणपत्र धारकों को यह प्रस्ताव लाभदायक लगता है तो वे इस प्रस्ताव को मान लेंगे। नए अंश या ऋणपत्रों को सममूल्य पर बट्टे पर या **प्रीमियम** पर निर्गमित किया जा सकता है। यह ध्यान देने योग्य है कि यदि यह परिवर्तनीय ऋणपत्र है तो ऐसी स्थिति में किसी ऋणपत्र मोचन निधि की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इसके मोचन के लिए किसी निधि की आवश्यकता नहीं होती है।

उदाहरण 25

अर्जुन प्लास्टिक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 1,000, 15% ऋणपत्रों को 10 रु. प्रति समता अंश में 2.50 रु. प्रतिअंश प्रीमियम के द्वारा ऋणपत्रों को परिवर्तनीयता के द्वारा मोचित किया इसके साथ ही कंपनी ने 50,000 रु. के लाभ का उपयोग करते हुए 500 ऋणपत्रों को भी मोचित किया। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।

हल

अर्जुन प्लास्टिक लिमिटेड की पुस्तकों में
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	लाभ व हानि विवरण नाम ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाते से (लाभ का ऋणपत्र मोचन आरक्षित में हस्तांतरण)		50,000	 50,000
	ऋणपत्र मोचन निवेश खाता नाम बैंक खाते से (ऋणपत्र मोचन निवेश में आवश्यक धनराशि का हस्तांतरण)		7,500	 7,500
	15% ऋणपत्र खाता नाम ऋणपत्र धारक खाते से (ऋणपत्र धारकों पर देय धनराशि)		1,00,000	 1,00,000

	ऋणपत्र धारक खाता नाम		1,00,000	
	समता अंश पूँजी खाते से			80,000
	प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से			20,000
	(प्रीमियम सहित 5 रु. प्रति अंश पर 800 समता अंशों का निर्गम)			
	बैंक खाता नाम		7,500	
	ऋणपत्र मोचन निवेश खाते से			7,500
	(ऋणपत्र मोचन निवेश का ऋणपत्र मोचन पर नकदीकरण)			
	ऋणपत्र खाता नाम		50,000	
	ऋणपत्र धारक खाते से			50,000
	(ऋणपत्र धारकों पर देय धनराशि)			
	ऋणपत्र खाता नाम		50,000	
	बैंक खाते से			50,000
	(ऋणपत्र धारकों को भुगतान)			
	ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाता नाम		50,000	
	सामान्य आरक्षित से			50,000
	(ऋणपत्र मोचन आरक्षित सामान्य आरक्षित में हस्तांतरित)			

उदाहरण–26

01 अप्रैल, 2013 को एक कंपनी ने 100 रु. प्रति दर के 1,000 9% ऋणपत्र 92 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से निर्गमित किए। निर्गमन की शर्तों के अनुसार 31 मार्च, 2016 से प्रति वर्ष 2,000 ऋणपत्रों का मोचन 20 रु. प्रति अंश की दर से समता अंशों में परिवर्तित करके अथवा एकमुश्त ड्रॉ द्वारा तय किए गए कंपनी के विकल्प के अनुरूप किया जाएगा। 31 मार्च, 2016 को कंपनी ने 2,000 9% ऋणपत्रों का मोचन समता अंशों में परिवर्तन द्वारा करने का निर्णय लिया। जहाँ प्रति समता अंश का मूल्य 20 रु. प्रति अंश तय किया गया। आवश्यक राज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।

कंपनी की पुस्तकों में
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
2016 31,मार्च	9: ऋणपत्र खाता नाम		2,00,000	
	ऋणपत्र धारक खाते से			1,84,000
	लाभ एवं हानि विवरण से			9,600
	ऋणपत्र निर्गमन बट्टा खाते से			8,400
	(परिवर्तन द्वारा मोचन पर ऋणपत्र धारकों पर देय धनराशि)			
31,मार्च	ऋणपत्र धारक खाता नाम		1,84,000	
	समता अंश पूँजी खाते से			1,84,000
	(ऋणपत्र धारकों को नए समता अंशों का निर्गमन)			

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणियाँ

i. दस हज़ार ऋणपत्रों के निर्गमन पर कुल बट्टा राशि $= 1000000 \times \frac{8}{100}$
$= \text{Rs. } 80,000$

अपलिखित बट्टा राशि को इस प्रकार ज्ञात किया जाएगा:

वर्ष	राशि (रु.)	अनुपात	राशि (रु.)
2013-14	10,00,000	5	$80,000 \times \frac{5}{25} = 16,000$
2014-15	10,00,000	5	$80,000 \times \frac{5}{25} = 16,000$
2014-16	10,00,000	5	$80,000 \times \frac{5}{25} = 16,000$
2013-17	8,00,000	4	$80,000 \times \frac{4}{25} = 12,800$
2013-18	6,00,000	3	$80,000 \times \frac{3}{25} = 9,600$
2013-19	4,00,000	2	$80,000 \times \frac{2}{25} = 6,400$
2013-20	20,000	1	$80,000 \times \frac{1}{25} = 3,200$
		25	80,000

ii. 31 मार्च, 2016 को अपलिखित बट्टे की राशि 48,000 रु. है अत: 2,000 ऋणपत्रों पर जो कि अब समता अंशों में परिवर्तित हो चुके हैं बट्टे की राशि की गणना इस प्रकार की जाएगी

$= (2,00,000 \times \frac{8}{100}) \times \frac{48000}{80000}$

$= \text{Rs. } 9,600$

बट्टे की शेष राशि जो कि 9,400 रु. है (रु. 16,000 – रु. 9,600 = 6,400) 31 मार्च, 2016 तक अपलिखित नहीं होंगी।

उदाहरण 27

एक्स वाई ज़ेड लिमिटेड का तुलन–पत्र मार्च 31.2015 को निम्न सूचनाएँ उजागर करता है–

15% ऋणपत्र	15,00,000
ऋणपत्र मोचन निधि	11,63,600
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश	11,63,600
(10% सरकारी प्रतिभूतियाँ)	

वर्ष 2015-16 व 2016-17 के लिए प्रतिवर्ष ऋणपत्र मोचन निधि में भागीदारी 1,30,800 रु. वार्षिक थी। ऋणपत्रों के भुगतान की देय तिथि 31 मार्च 2017 को प्रतिभूतियों को वसूल पाया गया जो राशि व ब्याज सहित 13,52,000 रु. थीं तथा जिन्हें 31 मार्च के तुरंत बाद निवेशित कर दिया गया था।

हल

ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2016				2015			
31 मार्च	शेष आ/ले		15,00,000	1 अप्रैल	शेष आ/ला		15,00,000
			15,00,000				**15,00,000**
2017				2016			
31 मार्च	बैंक		15,00,000	1 अप्रैल	शेष आ/ला		15,00,000
			15,00,000				**15,00,000**

ऋणपत्र मोचन निधि खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2016				2015			
31 मार्च	शेष आ/ले		14,10,760	1 अप्रैल	शेष आ/ला		11,63,600
				2016	ऋणपत्र मोचन		1,16,360
				31 मार्च	निधि निवेश पर ब्याज		
				31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		1,30,800
			14,10,760				**14,10,760**
2017				2016			
31 मार्च	निक्षेप निधि निवेश		58,760	1 अप्रैल	शेष आ/ला		14,10,760
				31 मार्च	ऋणपत्र मोचन पर		
				2017	ब्याज निधि निवेश		1,41,076
31 दिसं	सामान्य निधि		16,23,876	31 मार्च	लाभ व हानि विनियोजन		1,30,800
			16,82,636				**16,82,636**

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2015				2016			
1 अप्रैल	शेष आ/ला		11,63,600	31 मार्च	शेष आ/ले		14,10,760
2016	बैंक*		2,47,160				
31 मार्च			**14,10,760**				**14,10,760**
2016				2017			
1 अप्रैल	शेष आ/ला		14,10,760	31 मार्च	बैंक		13,52,000
				31 मार्च	ऋणपत्र मोचन निधि		58,760
			14,10,760				**14,10,760**

* (ब्याज + किस्त = रु. 1,16,360 + रु. 1,30,800) = रु. 2,47,160)

उदाहरण 28

एल सी एम लिमिटेड ने अपने 500 रु. प्रत्येक के 10,00,000, 9% ऋणपत्रों को 480 रु. प्रत्येक ऋणपत्र दर पर निरसन के लिए क्रय किया। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।

हल

एल सी एम लिमिटेड की पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	स्वयं के ऋणपत्र नाम		48,00,00,000	
	बैंक खाते से			48,00,00,000
	(480 रु. प्रत्येक पर अपने ऋणपत्रों का क्रय)			
	9% ऋणपत्र खाता नाम		50,00,00,000	
	स्वंय के ऋणपत्र खाते से			48,00,00,000
	ऋणपत्रों के रद्दीकरण पर लाभ खाते से			2,00,00,000
	(रद्दीकरण के लिए अपने ही ऋणपत्रों की खरीद)			
	ऋणपत्रों के निरसन पर लाभ खाता नाम		2,00,00,000	
	पूँजी निधि खाते से			2,00,00,000
	(ऋणपत्र रद्दीकरण पर हुए लाभ का पूँजी निधि में हस्तांतरण)			

उदाहरण 29

मधु लिमिटेड की खाता पुस्तकों में 1 अप्रैल, 2016 को निम्न शेष उपलब्ध हैं–

	(रु.)
12% ऋणपत्र	1,50,000
ऋणपत्र मोचन निधि	1,25,000
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश	1,25,000

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश का प्रतिनिधित्व 1,30,000, 9% की सरकारी प्रतिभुतियों द्वारा किया गया है।

निधि में जोड़ी गई वार्षिक किस्तों हेतु राशि 20,600. रु. थी। मार्च 31 2017 को निवेश पर ब्याज प्राप्त करने से पहले बैंक शेष 40,000 रु. था। उस तिथि पर समस्त ऋणपत्रों को 84% पर बेचा गया और ऋणपत्रों को यथावत मोचित किया गया।

वर्ष 2016-2017 के लिए बैंक खाते तथा ऋणपत्र खाता, ऋणपत्र मोचन निधि खाता, ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता तैयार करें। कंपनी अपनी खाता पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 मार्च को बंद करती है।

हल

मुध लिमिटेड की पुस्तकें

ऋणपत्र मोचन निधि खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2017 31 मार्च	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश (विक्रय पर हानि)		15,800	2016 1 अप्रैल	शेष आ/ला		1,25,000
31 मार्च	सामान्य निधि (हस्तांतरण)		1,41,500	2017 31 मार्च	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाते पर ब्याज (9% 1,30,000 रु. पर)		11,700
				31 मार्च	लाभ व हानि विवरण		20,600
			1,57,300				**1,57,300**

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2016 1 अप्रैल	शेष आ/ला (अंकित मूल्य 1,30,000 रु.)		1,25,000	2017 31 मार्च	बैंक (1,30,000 रु. का 84%)		1,09,200
					हानि को ऋणपत्र मोचन निधि में हस्तांतरित किया गया		15,800
			1,25,000				**1,25,000**

बैंक खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2017				2017			
31 मार्च	शेष आ/ला		40,000	31 मार्च	ऋणपत्र		1,50,000
	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज		11,700	31 मार्च	अंतिम शेष		10,900
	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश(विक्री प्रक्रिया)		1,09,200				
			1,60,900				**1,60,900**

12% ऋणपत्र खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2017				2016			
31 मार्च	बैंक		1,50,000	1 अप्रैल	शेष आ/ला		1,50,000
			1,50,000				**1,50,000**

कार्यकारी टिप्पणी– 1. 1,30,000 रु. के 9% ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज की राशि 11,700 रु. है।
2. निवेश पर 84% की वसूली हुई। अंतः 1,30,000 रु. के निवेश 1,09200 पर वसूल किए गये।

स्वयं जाँचिए 2

निम्नलिखित बहु-विकल्पी प्रश्नों में सही व सटीक उत्तर चुनें–

1. वे ऋणपत्र जो सुपुर्दगी द्वारा हस्तांतरित होते हैं उन्हें .... ऋण पत्र कहते हैं–
   (क) पंजीकृत ऋणपत्र (ख) प्रथम ऋणपत्र
   (ग) वाहक ऋणपत्र
2. एक्स कं. लि. की खाता पुस्तकों में निम्न रोज़नामचा प्रविष्टियाँ हैं–

बैंक खाता	नाम	4,75,000	
ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता	नाम	75,000	
12% ऋणपत्र खाते से			5,00,000
ऋणपत्रों के मोचन पर प्रीमियम खाते से			50,000

   बताएँ, ऋणपत्रों का निर्गम कितने बट्टे की किस दर पर हुआ है–
   (क) 15% (ख) 5% (ग) 10%

© NCERT not to be republished

3. एक्स लिमिटेड ने 28,80,000 मूल्य की परिसंपतियाँ खरीदीं। इसने 100 रु. प्रत्येक के 4% बट्टे पर ऋणपत्रों को खरीद प्रतिफल के रूप में पूर्ण भुगतान हेतु निर्गमित किए। विक्रेता को जारी किए गए ऋणपत्रों की संख्या थी–
   (क) 30,000 (ख) 28,800 (ग) 32,000
4. परिवर्तनीय ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमित नहीं किया जा सकता, यदि–
   (क) उन्हें तत्काल ही परिवर्तित करना हो;
   (ख) उन्हें तत्काल ही परिवर्तित नहीं किया जाना है;
   (ग) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
5. एक ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टे को तुलन-पत्र में निम्न शीर्ष में दिखाते हैं–
   (क) लाभ व हानि विवरण
   (ख) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ
   (ग) ऋणपत्र खाता
6. जब ऋणपत्र को सममूल्य पर जारी किया जाता है और एक प्रीमियम पर मोचित किया जाता है तब इस प्रकार के निर्गम पर हानि किस खाते के नाम पक्ष में दर्शाते हैं–
   (क) लाभ व हानि विवरण
   (ख) ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाता
   (ग) ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता।
7. व्यवसाय के खरीदने के समय क्रय प्रतिफल पर निवल परिसंपत्तियों का आधिक्य मूल्य कहाँ किया जाता है–
   (क) सामान्य आरक्षित
   (ख) पूँजी आरक्षित
   (ग) विक्रेता का खाता
8. जब सभी ऋणपत्र मोचित हो जाते हैं तथा ऋणपत्र मोचन निधि के खाते के शेष को किसमें हस्तांतरित किया जाता है–
   (क) पूँजी आरक्षित
   (ख) सामान्य आरक्षित
   (ग) लाभ व हानि विनियोजन खाता
9. ऋणपत्र मोचन निधि निवेश के अंकित और पुस्तक मूल्य क्रमश– 1,10,000 रु. और 96,000 रु. हैं। कंपनी 30,000 रु. के अंकित मूल्य को, निवेशों को उस राशि पर बेचती है जो कि केवल 10% प्रीमियम पर ऋणपत्रों के मोचन हेतु पर्याप्त हैं। बताएँ, निवेश के विक्रय पर लाभ की राशि क्या है–
   (क) 4,200 रु. (ख) 3,000 रु. (ग) कुछ भी नहीं
10. स्वयं के ऋणपत्र वे ऋणपत्र हैं जो कंपनी–
   (क) अपने ही प्रवर्तकों को आबंटित करती है।
   (ख) अपने निदेशकों का आबंटित करती है
   (ग) बाज़ार से खरीदती है और निवेश के रूप में अपने पास रखती है।

© NCERT not to be republished

11. स्वयं के ऋणपत्रों के रद्दीकरण का लाभ हस्तांतरण किया जाता है–
    (क) लाभ एवं हानि विवरण में
    (ख) ऋणपत्र मोचन निधि में
    (ग) पूँजी निधि में
12. जब ऋणत्रों का मोचन लाभों में से किया जाता है, तब समान राशि को हस्तांतरित करते हैं–
    (क) सामान्य निधि में
    (ख) ऋणपत्र मोचन निधि में
    (ग) पूँजी निधि में
13. ऋणपत्र मोचन निधि निवेश की बिक्री पर हुए लाभ को जमा में डालते हैं-
    (क) ऋणपत्र मोचन निधि खाता में
    (ख) लाभ व हानि विवरण में
    (ग) सामान्य निधि खातें में
14. निवेश के वसूलीकरण के पश्चात् निक्षेप निधि निवेश खाते के शेष का हस्तांतरण किस खाते में किया जाता है–
    (क) लाभ व हानि विवरण में
    (ख) ऋणपत्र खाते में
    (ग) निक्षेप निधि खाते में
15. जब ऋणपत्रों का निर्गम एक बट्टे पर और मोचन प्रीमियम पर होता है तो निम्न में से किस खाते को निर्गम के समय नाम किया जाता है–
    (क) ऋणपत्र खाता
    (ख) ऋणपत्र खाते के मोचन पर प्रीमियम खाता
    (ग) ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता

स्वयं जाँचिए - 3

I. निम्नलिखित लेनदेनों के लिए बताएँ किस खाते को नाम किया जाएगा।
1. विक्रेता को व्यवसाय-खरीद के प्रतिफ़ल के रूप में ऋणपत्रों के निर्गम पर।
2. ऋणपत्रों के मोचन पर निक्षेप निधि के सृजन हेतु अलग राशि रखने पर।
3. ऋणपत्रों के मोचन के बाद ऋणपत्र मोचन निधि खाते के शेष पर।
4. कंपनी द्वारा अपने स्वयं के ऋणपत्रों का क्रय करने पर।
5. ऋणपत्रों के निर्गम पर बटटे के अपलेखन करने पर।

II. निम्नलिखित लेनदेनों के लिए बताएँ किस खाते को जमा किया जाएगा।
1. ऋणपत्रों का बटटे पर निर्गम और सममूल्य पर मोचन को।
2. निक्षेप निधि निवेश के ब्याज को निक्षेप निधि खाते में हस्तांतरण करने को।
3. ऋणपत्र के मोचन के पश्चात् ऋणपत्र मोचन निधि खाते के शेष का हस्तांतरण होने को।
4. निक्षेप निधि निवेश बिक्री पर लाभ खाते को।
5. ऋणपत्र के निर्गम पर हानि के अपलेखन पर।

© NCERT not to be republished

स्वयं करें

1. जी लिमिटेड के पास 100 रु. के प्रत्येक, 800 लाख रु. के 10% ऋणपत्र हैं जो 31 मार्च 2014 को मोचनीय हैं। मान लीजिए कि उस तिथि पर ऋणपत्र मोचन निधि का शेष 3,40,00,00,000 है ऋणपत्रों के मोचन पर आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।
2. आर लिमिटेड ने 1 जुलाई 2014 को 5% प्रीमियम पर 50 रु. प्रत्येक पर 88,00,000, 8% ऋणपत्र जारी किए जिनका मोचन 30 जून 2017 को सममूल्य पर 2 रु. प्रीमियम सहित प्रत्येक अंश 20 रु. पर अंशों में परिवर्तन करके किया जाएगा। ऋणपत्रों के मोचन की आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करें।
3. सी लिमिटेड के पास 1 अप्रैल 2017 को 200 रु. प्रत्येक के 11,00,000, 10% ऋणपत्र हाथ में शेष हैं। प्रबंध निदेशकों ने यह तय किया है कि कंपनी स्वयं के ऋणपत्रों में से 20% ऋणपत्रों को क्रय करके रद्द करेंगी। आवश्यक प्रविष्टियाँ करें।
4. सममूल्य पर जारी 1,000 ,12% ऋणपत्रों के मोचन पर आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।
   (क) 100 रु. प्रत्येक के 12% अधिमान अंशों में परिवर्तित कर सममूल्य पर ऋणपत्रों का मोचन।
   (ख) सममूल्य पर निर्गमित समता अंशों में परिवर्तित कर 10% प्रीमियम पर ऋणपत्रों का मोचन।
   (ग) 25% प्रीमियम पर समता अंशों में परिवर्तित कर 10% प्रीमियम पर ऋणपत्रों का मोचन।
5. 31 मार्च 2017 को जनता लिमिटेड ने 88,00,000 के 6% ऋणपत्रों को 20 रु. प्रति समता अंश में 2 रु. प्रति अंश प्रीमियम के साथ परिवर्तित किया- ऋणपत्रों के मोचन पर आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दे।
6. अनिरुद्ध निमिटेड के पास 31 मार्च 2017 पर मोचन हेतु देय 100 रु. प्रत्येक के 4,000, 8% ऋणपत्र हैं। कंपनी के पास उक्त तिथि के लिए 50,000 रु. की ऋणपत्र मोचन निधि है। यह मान लें कि कोई भी ब्याज बकाया नहीं है और ऋणपत्र के निर्गम के समय की आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।

उदाहरण 30

एक कंपनी की खाता पुस्तकों में 31.3.2017 को निम्नलिखित शेष उपलब्ध हुए–

12% ऋणपत्र	10,00,000 रु.
ऋणपत्र मोचन निधि	10,00,360 रु.
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश इस प्रकार है–	
4,00,000 रु. 9% ऋण	3,80,000 रु.
7,00,000 रु. 8% सरकारी प्रपत्र	6,20,360 रु.

उपयुक्त तिथि पर निवेशों को निम्नानुसार बेचा गया– 9% ऋण सममूल्य पर एवं 8% सरकारी प्रपत्रों को अंकित मूल्य के 90% पर। ऋणपत्रों को यथानुसार मोचित किया गया। आवश्यक बही–खाते तैयार करें।

© NCERT not to be republished

हल

12% ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2017 31 मार्च	बैंक		10,00,000	2017 31 मार्च	शेष आ/ला		10,00,000
			10,00,000				**10,00,000**

ऋणपत्र मोचन निधि खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2017 31 मार्च	सामान्य निधि		10,30,000	2017 31 मार्च	आ/ला शेष		10,00,360
					ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता		29,640
			10,30,000				**10,30,000**

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2017 31 मार्च	शेष आ/ला			2017 31 मार्च	बैंक (9% ऋण)		4,00,000
	9% ऋण		3,80,000		बैंक (8% सरकारी प्रपत्र)		6,30,000
	8% सरकारी प्रपत्र		6,20,360				
	ऋणपत्र मोचन निधि खाता		29,640				
			10,30,000				**10,30,000**

© NCERT not to be republished

बैंक खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2017	ऋणपत्र			2017	12% ऋणपत्रों		10,00,000
मार्च 31	मोचन निधि निवेश–			31 मार्च,	शेष आ/ले		30,000
	9% ऋण		4,00,000				
	8% सरकारी प्रपत्र		6,30,000				
			10,30,000				**10,30,000**

नोट– इस प्रश्न में बैंक शेष नहीं दिया गया है।

स्वंय करें

1. एक्स लिमिटेड ने 1 अपैल 2016 को 8,000, 10% ऋणपत्र रु. 100 प्रत्येक को 5% प्रीमियम पर मोचन करने का निर्णय किया। लाभ–हानि विवरण मे 9,00,000 रु. अधिशेष हैं। कंपनी हर वर्ष 31 मार्च को अपनी पुस्तक खाता बंद करती है। उपरोक्त ऋणपत्रों के मोचन की क्या रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित की जाएँगी।
2. जी लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2013 को 5,00,000, 12% ऋणपत्र रु. 100 प्रत्येक को सममूल्य पर निर्गमित किए जो कि 1 जुलाई 2017 को मोचनीय हैं। कंपनी को 6,00,000 ऋणपत्र के आवेदन प्राप्त हुए और सभी प्रार्थनाकर्ताओं को आनुपातिक आधार पर आबंटन किया गया। देय तिथि पर ऋणपत्रों का मोचन किया गया। मोचन से पूर्व कितनी राशि से ऋणपत्र मोचन आरक्षित खाता बनाया जाएगा। ऋणपत्रों के निर्गम एवं मोचन से संबधित रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कीजिए। स्रोत पर कर कटौती पर ध्यान नहीं देना है।

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

1. ऋणपत्र
2. बंध–पत्र
3. बंधक ऋणपत्र
4. स्थायी ऋणपत्र
5. शून्य कूपन दर ऋणपत्र
6. विशिष्ट कूपन दर ऋणपत्र
7. पंजीकृत ऋणपत्र
8. वाहक ऋणपत्र
9. प्रभार
10. स्थिर प्रभार
11. मूल/मूल्य
12. ऋणपत्र निर्गम पर हानि बट्टा
13. क्रय प्रतिफल
14. ऋणपत्र का मोचन
15. लाटरी द्वारा निकालने पर
16. स्वयं के ऋणपत्र
17. पूँजी में से मोचन
18. लाभों से मोचन
19. परिवर्तनीय ऋणपत्रों का मोचन
20. ऋणपत्र निक्षेप निधि

© NCERT not to be republished

21. चल प्रभार
22. प्रथम प्रभार
23. परिपक्वता तिथि
24. संपार्श्विक प्रतिभूति
25. द्वितीय प्रभार
26. खुले बाज़ार से ऋणपत्रों का क्रय

सारांश

ऋणपत्र– "ऋणपत्र कर्ज़ या ऋण की अभिस्वीकृति या अभिज्ञापन है। यह एक ऋण पूँजी है जो कंपनी द्वारा जनता से उगाही जाती है। ऐसी लिखित स्वीकृति के धारक को ऋणपत्र धारक कहा जाता है।"

बंध-पत्र (बॉड)– बंधपत्र विषय-वस्तु एवं प्रकृति में ऋणपत्र के समान ही होता है इन दोनों के बीच अंतर केवल इतना है कि इनके निर्मम की स्थितियाँ निम्न हैं अर्थात् बंध-पत्रों को बिना किसी पूर्व निर्धारित ब्याज करके निर्गमित किया जा सकता है जैसा कि डीप डिस्काउंट बंध-पत्रों के मामले में होता है।

प्रभार– "प्रभार न्यास विलेख के अंतर्गत देनदारियों को पूरित एक ऋण भार होता है जिसके तहत् कंपनी किसी विशिष्ट भाग को बंधक रखने पर सहमत होती है।" प्रथम प्रभार में ऋण की वापसी परिसंपत्तियों की निवल मूल्य पर वसूली जाती है। प्रथम प्रभार धारकों के भुगतान के पश्चात् ही द्वितीय प्रभार धारकों को भुगतान दिया जाता है।

ऋणपत्र के प्रकार– ऋणपत्र विभिन्न प्रकार के होते हैं जैसे कि 'सुरक्षित एवं असुरक्षित' ऋणपत्र, 'मोचनीय एवं स्थायी' ऋणपत्र, 'परिवर्तनीय एवं अपरिवर्तनीय' ऋणपत्र, 'शून्य दर एवं विशिष्ट' कूपन पर, 'पंजीकृत एवं वाहक' ऋणपत्र।

ऋणपत्रों का निर्गमन– सममूल्य पर निर्गमित ऋणपत्र उन्हें कहा जाता है "जब उन पर संकलित की गई राशि अंकित मूल्य के समान होती है।" यदि निर्गम मूल्य साधारण या अंकित मूल्य से अधिक होती है। इसे एक 'प्रीमियम पर निर्गम' कहा जाता है। यदि निर्गम का मूल्य साधारण या अंकित मूल्य से कम होता है तो उसे 'बट्टे पर निर्गमन' कहा जाता है। प्रीमियम के रूप में प्राप्त की गई राशि 'प्रतिभूति प्रीमियम खाते' में जमा की जाती है जबकि बट्टे की राशि को "निर्गम पर बट्टे/हानि" में नामे किया जाता है जिसे एक समयावधि के दौरान अपलिखित किया जाता है।

रोकड़ के अतिरिक्त ऋणपत्र का निर्गम– कई बार एक ऋणपत्र को विक्रेता या स्वताधिकार एकस्व के आपूरक या बैंकिंक संपदा अधिकारों के हस्तारंण पर रोकड़ के रूप में राशि प्राप्त किए बिना ही अधिमान आधार पर ऋणपत्र निर्गमित किए जाते हैं।

क्रय प्रतिफल– क्रय प्रतिफल राशि है "जो एक कंपनी प्रतिफ़ल के रूप में परिसंपत्ति/व्यवसायिक फर्म के क्रय पर विक्रेता/विक्रय कंपनी को देती है।"

संपार्श्विक प्रतिभूति– प्राथमिक प्रतिभूति के अलावा कोई अतिरिक्त या सहायक प्रतिभूति 'संपाश्र्विक प्रतिभूति' कहलाती है।

ऋणपत्र का मोचन– इसका तात्पर्य है कि "ऋणपत्र धारकों को ऋणपत्र के परिशोधन (भुगतान वापसी) द्वारा ऋणपत्र/बंध-पत्र के खातों पर देनदारियों से छुटकारा या मुक्ति प्राप्त होती है।" सामान्यत: ऋणपत्र का मोचन अवधि की समाप्ति पर होता है जिन पर उन्हें निर्गमित किया गया था। (वैसे यह निर्गम के नियम एवं शर्तों पर निर्भर होता है।)

अभ्यास हेतु प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. एक ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है?
2. एक वाहक ऋणपत्र से आप क्या समझते हैं?
3. 'एक संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित' ऋणपत्र का अर्थ बताइए।
4. 'रोकड़ के अलावा प्रतिफ़ल हेतु ऋणपत्र का निर्गम' से क्या तात्पर्य है?
5. 'बट्टे पर ऋणपत्र का निर्गम तथा प्रीमियम पर मोचनीय' से क्या तात्पर्य है?
6. पूँजी आरक्षित क्या है?
7. 'अमोचनीय ऋणपत्र' से क्या तात्पर्य है?
8. 'परिवर्तनीय ऋणपत्र' क्या है?
9. 'बंधक ऋणपत्र' से क्या तात्पर्य है?
10. 'ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा' क्या होता है?
11. 'ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम' का क्या अर्थ है?
12. 'ऋणपत्र' पत्र 'अंश' से भिन्न क्यों होते हैं, दो अंतर बताइए?
13. उस शीर्ष का नाम बताइए जिसके अंतर्गत कंपनी के तुलन-पत्र में 'ऋणपत्र का बट्टे पर निर्गम' को दर्शाया जाता है।
14. 'ऋणपत्र का मोचन' से क्या तात्पर्य है?
15. 'परिवर्तनीयता के आधार ऋणपत्र का मोचन' से क्या तात्पर्य है?
16. 'ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम' से आप कैसे निपटान करेंगे?
17. 'पूँजी में से मोचन' का क्या तात्पर्य है?
18. 'खुले बाज़ार से क्रय' द्वारा ऋणपत्र के मोचन से क्या तात्पर्य है?
19. तुलन-पत्र में 'ऋणपत्र मोचन निधि' को किस शीर्ष में प्रदर्शित किया जाता है।
20. तुलन-पत्र में 'ऋण शोधन रिज़र्व' किस शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया जाता है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. एक ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है? विभिन्न प्रकार के ऋणपत्रों की व्याख्या कीजिए?
2. ऋणपत्र एवं अंश के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ऋणपत्र को एक कर्ज़ के रूप में क्यों जाना जाता है, व्याख्या कीजिए।
3. 'संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्र' के तात्पर्य का वर्णन कीजिए। खाता पुस्तकों में ऋणपत्र के निर्गम हेतु लेखांकन व्यवहार बताएँ।
4. खाता पुस्तकों में 'ऋणपत्र का बट्टे पर निर्गम' को कैसे निरूपित किया जा सकता है? आप ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टे' का कैसे निपटान करेंगे, जब ऋणपत्रों का मोचन किस्तों में किया जाता है।
5. ऋणपत्रों के मोचन को ध्यान में रखते हुए ऋणपत्र निर्गम की विभिन्न शर्तों की व्याख्या कीजिए।?
6. पूँजी में से और लाभ में से ऋणपत्र मोचन के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

© NCERT not to be republished

7. 'ऋणपत्र मोचन निधि' बनाने के लिए सेबी के दिशानिर्देशों की व्याख्या कीजिए।
8. ऋणपत्रों के मोचन के लिए निक्षेप निधि बनाने के लिए उठाए जाने वाले चरणों का वर्णन कीजिए।
9. क्या कंपनी खुले बाज़ार से स्वयं के ऋणपत्र क्रय कर सकती है? व्याख्या कीजिए।
10. ऋणपत्र की परिवर्तनीयता' से क्या तात्पर्य है, ऐसी परिवर्तनीयता की विधियों का वर्णन कीजिए।

संख्यात्मक प्रश्न

1. जी लिमिटेड ने 50 रु. प्रत्येक के 75,00,000, 5% ऋणों को सममूल्य पर निर्गमित किया जिसमें 15 रु. आवेदन पत्र पर शेष 35 रु. आबंटन पर देय हैं। यह निर्गम की तिथि से सात वर्ष बाद मोचनीय है। कंपनी की खाता पुस्तकों के लिए आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।
2. वाई लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 2,000, 5% ऋणपत्र निर्गमित किए जिनका निम्नवत भुगतान करना है– 25 रु. आवेदन के साथ, 50 रु. आबंटन पर, तथा 25 रु. प्रथम व अंतिम माँग पर देय हैं। प्रविष्टियाँ तैयार करें।
3. ए लिमिटेड ने 5% प्रीमियम पर 100 रु. प्रत्येक के 10,000, 10% ऋणपत्र निम्नवत भुगतान पर निर्गमित किए–

   10 रु. आवेदन पर; 20 रु. आबंटन पर प्रीमियम के साथ; तथा शेष राशि पहली एवं अंतिम माँग पर देय है। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करें।
4. ए. लिमिटेड ने 8% के बट्टे पर 50 रु. प्रत्येक के 90,00,000, 9% ऋणपत्र पर जारी किए जो 9 वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय हैं। ए लिमिटेड की खाता पुस्तकों हेतु आवश्यक प्रविष्टियाँ करें।
5. ए लिमिटेड ने निम्नलिखित शर्तों पर 100 रु. प्रत्येक के 4,000, 9% ऋणपत्र जारी किए–

   20 रु. आवेदन पर
   20 रु. आबंटन पर
   30 रु. प्रथम माँग पर, और
   30 रु. अंतिम माँग पर

   जनता ने 4,800 ऋणपत्रों के लिए आवेदन दिए। 3,600 आवेदनों को पूणत: स्वीकार किया गया। 800 आवेदनों के लिए 400 ऋणपत्र आंवटित किए गए तथा शेष 400 आवेदनों को अस्वीकृत कर दिया गया। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।
6. टी लिमिटेड ने 30 जून 2014 को 10% प्रीमियम पर रु. 500 प्रत्येक के 20,0,000, 8% ऋणपत्रों को निर्गमित किया जिसमें 200 रु. आबंटन पर (प्रीमियम सहित); और शेष आबंटन पर देय था तथा 8 वर्षों में मोचनीय था। लेकिन उन्हें 3,00,000 ऋणपत्रों हेतु आवेदन प्राप्त हुए तथा समानुपात आधार पर आबंटन किया गया। आवेदन और आबंटन की बकाया राशि यथानुसार प्राप्त हुई। ऋणपत्र निर्गम से संबंधित सभी आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित कीजिए।
7. एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक 10,000, 14% ऋणपत्र निर्गमित किए जिसमें 20 रु. आवेदन पर, 60 रु. आबंटन पर, तथा शेष माँग पर देने थे। कंपनी ने 13,500 ऋणपत्रों के आवेदन प्राप्त किए। इनमें से 8,000 को ऋणपत्र दिए गए जबकि 5,000 को 40% मात्र दिए गए और शेष को अस्वीकृत कर दिया गया अंशत: आबंटित आवेदनों पर प्राप्त आधिक्य का आंबटन पर प्रयोग किया गया। सभी बकाया राशियों को यथानुसार प्राप्त किया गया। आवश्यक प्रविष्टियाँ बताइए।

8. आर लिमिटेड ने 200 रु. प्रत्येक 20,00,000, 10% ऋणपत्र 7% बट्टे के साथ निर्गमित किए जो 9 वर्षों के बाद 8% प्रीमियम के साथ मोचनीय थे। आर लिमिटेड की खाता पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।
9. एम लिमिटेड ने एस लिमिटेड से 9,00,00,000 रु. की परिसंपत्तियाँ खरीदीं तथा 70,00,000 की देनदारियों को ज़िम्मेदारी भी ली और 100 रु. प्रत्येक के 8% ऋणपत्र जारी किए। एम लिमिटेड की खाता पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।
10. बी लिमिटेड ने मोहन ब्रदर्स से 4,00,000 रु. की खाता-मूल्य वाली परिसंपत्तियाँ खरीदीं और 50,000 की देनदारियों की ज़िम्मेदारियों भी प्राप्त की। यह तय हुआ कि खरीद प्रतिफ़ल के रूप में 3,80,000 रु. का भुगतान 100 रु. प्रत्येक के ऋणपत्र द्वारा किया जाएगा।

    इन तीन प्रकरणों में क्या रोज़नामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित की जाएँगी यदि ऋणपत्रों का निर्गमन (क) सममूल्य पर (ख) बट्टे पर तथा (ग)10% प्रीमियम पर किया गया है।

    यह भी तय हुआ कि ऋणपत्रों में किसी भी प्रकार की भिन्नता आने पर इनका रोकड़ में भुगतान कर दिया जाएगा।

    (टिप्पणी– ख्याति 30,000 रु)

11. एक्स लिमिटेड ने वाई लिमिटेड से क्रय प्रतिफ़ल के रूप में 4,40,000 की एक मशीनरी खरीद की सहमति बनाई और यह तय हुआ कि भुगतान 100 रु. प्रत्येक के 12% ऋणपत्रों द्वारा प्रति ऋणपत्र 10 रु. प्रीमियम के साथ चुकता किया जाएगा। लेन-देन की रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।
12. एक्स लिमिटेड ने 15,000, 10% ऋणपत्रों को 100 रु. प्रत्येक के अनुसार निर्गमित किया, निम्न मामलों में रोज़नामचा प्रविष्टियाँ एवं तुलन-पत्र बनाइए-

    (i) ऋणपत्रों का निर्गमन 10% प्रीमियम पर हुआ।

    (ii) ऋणपत्रों को 5% बट्टे पर जारी किया गया।

    (iii) ऋणपत्रों को बैंक के 12,00,000 रु. पर प्राप्त ऋण हेतु संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किया।

    (iv) 13,50,000 की मशीनरी खरीद पर विक्रेता को ऋणपत्र जारी किए गए।

13. निम्न की रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें-

    (i) एक 100 रु. के ऋणपत्र को 95 रु. में जारी किया गया।

    (ii) एक ऋणपत्र को 95 रु. के निर्गम किया गया जिसका मोचन 105 रु. हुआ।

    (iii) एक ऋणपत्र 100 रु. में निर्गमित हुआ तथा 105 रु. में परिशोधित हुआ।

    उपर्युक्त प्रत्येक मामले में ऋणपत्र का अंकित मूल्य 100 रु. था।

14. ए लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2009 को 100 रु. प्रत्येक के 50,00,000, 8% ऋणपत्र 6 बट्टे के साथ जारी किए जो 4% प्रीमियम पर लॉटरी के द्वारा मोचनीय हैं–

    (i) 20,00,000 ऋणपत्र मार्च 2011 में

    (ii) 10,00,000 ऋणपत्र मार्च 2013 में

    (iii) 20,00,000 ऋणपत्र मार्च 2014 में

    प्रतिवर्ष अपलिखित की जानी वाली बट्टे की राशि ज्ञात करें जब तक कि ऋणपत्रों का भुगतान नहीं हो जाता। साथ ही ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा हानि खाता तैयार करें।

© NCERT not to be republished

15. एक कंपनी ने निम्नानुसार ऋणपत्र निर्गमित किए–
    (i) 100 रु. ग्राहक प्रत्येक के 10,000, 12% ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित तथा 5 वर्ष पश्चात् 5% प्रीमियम पर मोचनीय।
    (ii) 100 रु. प्रत्येक के 10,000, 12% ऋणपत्रों को 10% बट्टे के साथ निर्गमित किए पर 5 वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय थे।
    (iii) 100 रु. प्रत्येक के 5,000, 12% ऋणपत्रों को 5% प्रीमियम पर निर्गमित किया तथा 5 वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय है।
    (iv) 100 रु. प्रत्येक के 1,000, 12% ऋणपत्र एक मशीन विक्रेता को 95,000 रु. की मशीन खरीद हेतु निर्गम किए गए। ऋण 5 वर्ष बाद मोचनीय है।
    (v) पाँच वर्ष की अवधि के लिए बैंक से 25,000 रु. के ऋण हेतु कंपनी ने 100 रु. प्रत्येक के 300, 12% ऋणपत्र संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किए।

    (क) ऋण का निर्गम, (ख) दी गई अवधि के बाद ऋणपत्रों का परीशोधन हेतु रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें।

16. एक कंपनी ने 1 अप्रैल 2012 के 6% बट्टे के साथ 5,00,000 रुपये के अंकित मूल्य के ऋणपत्र जारी किए। यह ऋणपत्र 1,00,000 रु. वार्षिक आहरणों पर प्रतिवर्ष 31 मार्च को मोचनीय है। प्रबंध निदेशकों ने तय किया कि प्रतिवर्ष ऋणपत्र बटटे का उपलेखन किया जाएगा।

    प्रतिवर्ष अपलिखित की जाने वाली बट्टे की राशि ज्ञात करें तथा आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ भी दीजिए।

17. एक कंपनी ने 1 अप्रैल 2011 को 6% बट्टे पर 1,20,000 अंकित मूल्य के 10% ऋणपत्र निर्गमित किए। ऋणपत्रों का भुगतान 40,000 रु. के वार्षिक आहरणों में किया जाना है जो तीसरे वर्ष की समाप्ति पर शुरू होता है। आप ऋणपत्रों के बट्टे का निपटान कैसे करेंगे।

    कंपनी की खाता पुस्तकों में ऋणपत्र बट्टा खाता ऋणपत्र की अवधि के दौरान दिखाएँ। यह मानकर चलें कि कंपनी के खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बंद होते हैं।

18. बी लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2011 को 4,00,000 रु. के लिए 94% पर ऋणपत्र जारी किए जो 80,000 प्रतिवर्ष के अनुसार बराबर किस्तों में मोचनीय हैं। कंपनी अपने अंतिम खाते हर वर्ष 31 मार्च को तैयार करती है। यदि कंपनी ऋणपत्रों के जीवन काल में ही ऋणपत्र पर बट्टे की राशि को अपलिखित करना चाहती है तो प्रत्येक लेखांकन वर्ष में अपलिखित बट्टे की राशि ज्ञात करें। (वर्ष– 2012 में 8,600 रु., 2013 में 6,400 रु., 2014 में 4,800, 2015 में 3,200 रु., तथा 2016 में 1,600 रु.)।

19. बी लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2014 को 5% बट्टे पर 100 रु. प्रत्येक के 1,000, 12% ऋणपत्र निर्गमित किए जो परिपक्वता अवधि पर 10% प्रीमियम के साथ मोचनीय हैं।

    ऋणपत्र के निर्गम से संबंधित रोज़नामचा प्रविष्टियाँ तैयार करें तथा 31 मार्च 2015 की समाप्त अवधि से ऋणपत्र पर ब्याज यह मानकर परिकलित करें कि अर्धवार्षिक (30 सितंबर व 31 मार्च को) ब्याज देय है तथा स्रोत पर 10% टी डी एस कटौती होती है। लेखांकन वर्ष हेतु कैलेंडर वर्ष मानकर चलें।

20. इन मामलों हेतु क्या रोज़नामचा प्रविष्टियाँ की जाएँगी जहाँ कंपनी ऋणपत्र अवधि पूरी होने पर सूचना भेज कर ऋणपत्र मोचित करती है– (क) ऋणपत्रों को सममूल्य पर इस शर्त में जारी किया कि मोचन प्रीमियम के साथ होगा; (ख) जब ऋणपत्रों को इस शर्त के साथ प्रीमियम के साथ जारी किया गया कि मोचन सममूल्य पर होगा; और (ग) जब ऋणपत्रों को बट्टे पर जारी किया गया तथा प्रीमियम के साथ मोचन किया गया।

© NCERT not to be republished

21. 1 अप्रैल 2016 को ज़ेड लिमिटेड की खाता पुस्तकों में निम्न शेष प्रकट होता है–

	रु.
6% ऋणपत्र	100,000
ऋणपत्र मोचन निधि (फंड)	80,000
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश	80,000
निवेश 4% सरकारी प्रतिभूतियों पर अंकित मूल्य	90,000

वार्षिक किस्त 16,400 रु. थी। 31 मार्च 2017 को, बैंक शेष 26,000 रु. था (ऋणपत्र मोचन निधि निवेश की ब्याज प्राप्ति के बाद)। निवेश को 92% पर वसूल पाया गया। ऋणपत्रों को मोचित किया गया। प्रतिवर्ष का ब्याज भी दिया जा चुका है। मोचन से संबंधित बही खाते तैयार करें।

स्वयं जाँचने हेतु जाँच सूची

स्वयं जाँचिए–1

1. असत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. सत्य, 6. असत्य, 7. असत्य, 8. सत्य, 9. असत्य, 10. असत्य, 11. असत्य

स्वयं जाँचिए–2

1. (ग), 2. (ख), 3. (क), 4. (क), 5. (ख), 6. (ग), 7. (ख), 8. (ख), 9. (क), 10. (ग), 11. (ग), 12. (ख), 13. (क), 14. (ग), 15. (ग)

स्वयं जाचिए–3

I. 1. विक्रेता (विक्रीयी) खाता, 2. लाभ व हानि विवरण के शेष से खाता, 3. ऋणपत्र मोचन निधि खाता, 4. स्वयं ऋणपत्र खाता, 5. लाभ व हानि विवरण,

II. 1. ऋणपत्र खाता, 2. निक्षेप निधि खाता, 3. सामान्य आरक्षित खाता, 4. निक्षेप निधि खाता, 5. ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता

© NCERT not to be republished